भारत ने रविवार को तुर्किये की राजधानी इस्तांबुल में हुए विस्फोट में मारे गए लोगों के निधन पर दुख जताया है। विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता अरिंदम बागची ने विस्फोट में घायल हुए लोगों के प्रति सहानुभूति व्यक्त की है। साथ ही उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 329 दिनांक:14-11-2022 सोमवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

सैम करन की शानदार गेंदबाजी के बाद बेन स्टोक्स के नाबाद अर्धशतक 52 रनों की सहायता से इंग्लैंड ने आईसीसी टी20 विश्व कप के फाइनल मैच में पाकिस्तान को 5 विकेट से हराकर दूसरी बार आईसीसी टी20 खिताब जीता है।

उदयपुर-अहमदाबाद रेलवे ट्रैक पर ओढ़ा ब्रिज उड़ाने के लिए किया विस्फोट, क्षतिग्रस्त हुई पटरियां

-13 दिन पहले पीएम मोदी ने किया था उद्घाटन, ग्रामीणों की सजगता से टला बड़ा हादसा

उदयपुर (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों 13 दिन पहले शुरू हुई उदयपुर-अहमदाबाद रेलवे लाइन पर स्थित ओढ़ा पुल को शनिवार रात ब्लास्ट करके उड़ाने का प्रयास किया गया। प्रथम दृष्टया रेलवे ट्रैक को उखाड़ने के प्रयास में ब्लास्ट किया गया है और मौके पर बारूद बरामद किया गया है। पुलिस और रेलवे अधिकारियों ने इस घटना की जांच शुरू कर दी है। घटना स्थल के दोनों ओर से ट्रेनों की आवाजही बंद की गई है।

स्थानीय ग्रामीणों की सजगता से इस नए रूट पर बड़ा हादसा टल गया। सूत्रों के मुताबिक घटना शनिवार देर रात सलूम्बर मार्ग पर केवड़े की नाल में ओढ़ा रेलवे पुल की है। यहां गत रात 10 बजे ग्रामीणों को आसपास धमाके की आवाज सुनाई दी। इसके बाद कुछ युवा तुरंत पटरी पर पहुंचे। वहां की हालत देख दंग रह गए। उन्होंने बताया कि रेलवे लाइन पर बारूद पड़ा था। ऐसा लगता है जैसे रेलवे पुल को उड़ाने की साजिश की गई है।

पटरियां कई जगह से टूट चुकी हैं। पुल पर लाइन से नट-बोल्ट भी गायब मिले। ट्रैक पर लोहे की पतली चादर भी उखड़ी हुई मिली। उदयपुर के पुलिस अधीक्षक विकास शर्मा ने इस घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि एफएसएल टीम मौके पर भेजी गई है। जांच के बाद ही सही स्थिति का पता लग पाएगा। रेलवे अजमेर मंडल के जनसंपर्क अधिकारी अशोक चौहान ने घटना की पुष्टि की है। घटनास्थल के दोनों ओर ट्रेनों को रोक दिया गया है। चौहान ने बताया रेलवे द्वारा लाइन को सही करने का काम किया जा रहा है।

फिलहाल अहमदाबाद असारवा ट्रेन डूंगरपुर से असारवा तक ही संचालित होगी। उदयपुर-असारवा ट्रेन रोज शाम 5 बजे रवाना होती है। जो रात 11 बजे आसरवा पहुंचती है। इसी तरह असारवा-उदयपुर रोज सुबह 6:30 बजे रवाना होकर दोपहर 12:30 उदयपुर सिटी स्टेशन पहुंचती है।

दमन का हथियार न बने कानून, हमें अपनी क्षमता के साथ कोर्ट की सामर्थ्य को भी समझने की जरूरत : चंद्रचूड़

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा है कि यह सुनिश्चित करना सभी की जिम्मेदारी है कि कानून दमन का साधन न बन पाए और न्याय का साधन बना रहे। जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि नागरिकों का अपेक्षा रखना बहुत अच्छा है, लेकिन हमें अपनी सीमाओं के साथ-साथ संस्थानों के रूप में अदालतों की क्षमता को भी समझने की जरूरत है।

डी।वाई। चंद्रचूड़ ने कहा कभी-कभी कानून और न्याय एक ही ट्रैजेक्टरी का पालन नहीं करते हैं। कानून न्याय का एक साधन हो सकता है, लेकिन कानून उत्पीड़न का भी एक साधन हो सकता है। हम जानते हैं कि कैसे औपनिवेशिक काल में वही कानून जैसा कि आज कानून की किताबों में मौजूद है, दमन के साधन के रूप में इस्तेमाल किया गया। उन्होंने कहा कि आज हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि हम नागरिकों के रूप में यह कैसे सुनिश्चित करें कि कानून न्याय का साधन बने और कानून उत्पीड़न का साधन न बने?

मुख्य न्यायाधीश ने कहा मुझे लगता है कि कानून को संभालने में सभी निर्णयकर्ता शामिल हों, न कि केवल न्यायाधीश। जो चीज लंबे समय तक न्यायिक संस्थानों को बनाए रखती है, वह है करुणा, सहानुभूति की भावना और नागरिकों के रोने का जवाब देने की क्षमता।

इंग्लैंड बना टी20 चैम्पियन, खिताबी मुकाबले में पाकिस्तान को पांच विकेट से हराया

सेम करेन बने प्लेयर ऑफ द मैच व सीरीज

मेलबर्न (ईएमएस)। सैम करन की शानदार गेंदबाजी के बाद बेन स्टोक्स के नाबाद अर्धशतक 52 रनों की सहायता से इंग्लैंड ने आईसीसी टी20 विश्व कप के फाइनल मैच में पाकिस्तान को 5 विकेट से हराकर दूसरी बार आईसीसी टी20 खिताब जीता है। इस मैच में इंग्लैंड को जीत के लिए 138 रनों का लक्ष्य मिला था जो उसने पांच विकेट के नुकसान पर 19 ओवरों में ही हासिल कर लिया। मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पाक को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। पाक की टीम इंग्लैंड के गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पायी और 20 ओवरों में आठ विकेट पर 137 रन ही बना पायी। शान मसूद ने सबसे ज्यादा 38 और कप्तान बाबर आजम ने 32 रन बनाये। वहीं इंग्लैंड की ओर से सैम करेन ने 12 रन देकर तीन जबकि आदिल राशिद और क्रिस जॉर्डन ने 2-2 विकेट लिए। इस प्रकार इंग्लैंड को जीत के लिए 138 रनों का लक्ष्य मिला।

लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। उसने 45 रनों के अंदर ही तीन विकेट खो दिये। सेमीफाइन में शानदार बल्लेबाजी करने वाले सलामी बल्लेबाज एलेक्स हेल्स फाइनल में एक रन पर ही आउट हो गये। हेल्स को तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी ने अपने पहले ही ओवर में आउट कर दिया। इसके आद हारिस रऊफ ने चौथे ओवर की दूसरी गेंद पर फिलिप साल्ट 10 को आउट कर इंग्लैंड को दूसरा झटका दिया। तीसरा विकेट कप्तान जोस बटलर का गिरा। बटलर 17 गेंदों पर 3 चौकों और एक छक्के की मदद से 26 रन ही बना सके। वहीं मोईन अली 19वें ओवर की दूसरी गेंद पर बोल्ड हुए। मोईन अली ने 13 गेंदों पर 3 छक्कों की मदद से 19 रन बनाए।

वहीं इससे पहले पाक टीम की बल्लेबाजी करते हुए शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज मोहम्मद रिज़वान 15 रन बनाकर आउट हुए। वहीं मोहम्मद हारिस आठ रन पर पेवेलियन लौटा। कप्तान बाबर आजम भी 32 रन ही बना पाये। पाकिस्तान के छह बल्लेबाज दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये। टीम के विकेट लगातार गिरते गये जिससे गेंदबाज हावी रहे। अंतिम पांच ओवरों में पाक टीम केवल 31 रन बना पायी। सबसे ज्यादा 38 रन शान मसूद ने बनाये। वह भी करेन का शिकार बने। करेन को शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच और सीरीज का अवार्ड मिला।

विकास की नई गाथा लिखने की वजह से भारत बना दुनिया की उम्मीदों का केंद्र : मोदी

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत दुनिया की उम्मीदों का केन्द्र बिन्दु बन गया है, क्योंकि हम विकास की नई गाथा लिख रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा ऐसे समय में, जब कई देश संघर्ष कर रहे हैं, दुनिया बहुत उत्सुकता से हमारी ओर देख रही है। कुछ देश आवश्यक वस्तुओं की कमी का, तो कुछ देश ऊर्जा संकट का सामना कर रहे हैं। लगभग हर देश अपनी अस्थिर अर्थव्यवस्था को लेकर चिंतित है।

आंध्र विश्वविद्यालय इंजीनियरिंग कॉलेज मैदान से बुनियादी ढांचा विकास की विभिन्न योजनाओं की शुरूआत करने के बाद पीएम मोदी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि पूरी दुनिया में निराशा के माहौल के बीच भारत प्रत्येक क्षेत्र में नयी ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने कहा यह इसलिए संभव हुआ है कि भारत अपने नागरिकों की उम्मीदों और जरूरतों को शीर्ष प्राथमिकता देते हुए काम कर रहा है। हमारी प्रत्येक नीति, प्रत्येक फैसले का लक्ष्य आम आदमी के जीवन को बेहतर बनाना है। पीएम मोदी ने कहा आजादी के अमृत काल' में देश विकसित भारत के लक्ष्य को लेकर विकास के रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा विकास की यह यात्रा बहुआयामी है। इसमें आम आदमी के जीवन की जरूरतें भी जुड़ी हुई हैं तथा बेहतर और आधुनिक बुनियादी ढांचा का निर्माण भी शामिल है।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि बुनियादी ढांचे पर अलग-अलग विचारों के चलते देश को भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने समन्वित विचार को महत्व देने का नया रुख अपनाया है। उन्होंने कहा समन्वित विचार के साथ बुनियादी ढांचे का विकास पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय कार्य योजना के जरिये संभव हुआ है। इसने न केवल विकास को गति दी है, बल्कि परियोजनाओं की लागत भी घटा दी है।

पीएम मोदी ने कहा कि बुनियादी ढांचे को लेकर हम कभी इन सवालों में नहीं उलझे कि हमें रेलवे का विकास करना है या सड़क परिवहन का, बंदरगाह का विकास करना है या राजमार्ग का। उन्होंने कहा बुनियादी ढांचे के इस एकाकी दृष्टिकोण से देश को भारी नुकसान उठाना पड़ा, इससे आपूर्ति श्रृंखला पर असर पड़ा और माल ढुलाई का खर्च बढ़ गया। उन्होंने कहा हमने विकास के समावेशी दृष्टिकोण को महत्व दिया है।

प्रधानमंत्री ने कहा गरीबों के कल्याण के लिए चलायी जा रही योजनाओं का लगातार विस्तार हो रहा है। देश के करोड़ों गरीबों को पिछले ढाई साल से मुफ्त अनाज दिया जा रहा है, पिछले साढ़े तीन साल से पीएम किसान योजना के जरिए किसानों के बैंक खाते में हर वर्ष सीधे 6,000 रुपये भेजे जा रहे हैं। उन्होंने कहा इसी तरह, सनराइज सेक्टर (नये उद्योगों) से जुड़ी हमारी नीति से युवाओं के लिए नये अवसर सृजित हो रहे हैं। ड्रोन से लेकर गेमिंग तक, अंतरिक्ष से लेकर स्टार्टअप तक हर क्षेत्र को हमारी नीतियों की वजह से आगे बढ़ने का मौका मिल रहा है। उन्होंने कहा जब लक्ष्य सष्ट होते हैं तो आकाश की ऊचाइयां हों, या समुद्र की गहराइयां, हम अवसर तलाश लेते हैं और उसे तराश भी लेते हैं।

अब स्वतंत्र निकाय नहीं रहा:महबूबा मुफ्ती

-भाजपा पर लगाया निकाय को बर्बाद करने का आरोप

जम्मू (ईएमएस)। भारतीय जनता पार्टी पर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने चुनाव आयोग को इस हद तक बर्बाद करने का आरोप लगाया कि वह अब स्वतंत्र निकाय नहीं रहा। उन्होंने कहा, '' भाजपा उससे जो कुछ कहेगी, वह वही करेगा।''उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग भाजपा का 'विस्तार' (शाखा) बन गया है।

मुफ्ती ने अनंतनाग जिले के खैरम क्षेत्र में संवाददाताओं से कहा, '' चुनाव आयोग को इस हद तक कमजोर कर दिया गया है कि वह स्वतंत्र निकाय नहीं रहा, जिसपर देश को गर्व था। हमारे चुनाव आयुक्तों को चुनाव कराने में विशेषज्ञ सलाह के लिए अन्य देश आमंत्रित करते थे।'' उन्होंने कहा कि भाजपा द्वारा कानूनों का उल्लंघन करने के बाद भी चुनाव आयोग उसके खिलाफ कार्रवाई करने में विफल रहा। उन्होंने कहा, '' कश्मीरी पंडितों को देखिए जो पिछले कई महीनों से जम्मू में डेरा डाले हुए हैं। वे मांग कर रहे हैं कि जब तक कश्मीर में स्थिति सुधर नहीं जाती है, तब तक उन्हें जम्मू भेज दिया। लेकिन सरकार कभी उनका वेतन रोक रही है तो कभी राशन।''

पीडीपी अध्यक्ष ने दावा किया कि भाजपा चुनाव की खातिर कश्मीरी पंडितों की पीड़ा का फायदा उठा रही है। उन्होंने कहा, '' उसे किसी की परवाह नहीं है, चाहे कश्मीरी पंडित हो या कोई और वह बस चुनाव जीतना चाहती है।हिमाचल प्रदेश में भाजपा नेतृत्व ने धार्मिक आधार पर चुनाव प्रचार किया। मुसलमानों को खुलेआम धमकियां दी जा रही हैं, लेकिन चुनाव आयोग मूक दर्शक बना हुआ है।'' पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''मैं कैसे कह सकती हूं कि जम्मू कश्मीर में कब चुनाव होंगे। वह चुनाव आयोग तय करेगा और जब भाजपा आयोग से कहेगी तब वह चुनाव की घोषणा करेगा।'' शासन के मुद्दे पर मुफ्ती ने कहा कि वर्तमान सरकार सब कुछ पलटने पर तुली है।उन्होंने कहा,''

तुर्किये की राजधानी इस्तांबुल में विस्फोट, छह की मौत; राष्ट्रपति एर्दोगन ने की हमले की निंदा

इस्तांबुल । तुर्किये में इस्तांबुल के सबसे लोकप्रिय पैदल मार्ग पर रविवार को हुए विस्फोट में छह लोगों की मौत हो गई और 53 अन्य घायल हो गए। इस्तिकाल एवेन्यू में हुए विस्फोट का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। राष्ट्रपति एर्दोगन तैयप ने विस्फोट को हमला बताते हुए घटना में छह लोगों के मारे जाने की पुष्टि की है। जी-20 की बैठक में भाग लेने के लिए रवाना होने से पूर्व एर्दोगन ने कहा कि यह घटना बड़ी साजिश है। इसके दोषियों को सजा जरूर दी जाएगी। सरकार संचालित अनाडोलु समाचार एजेंसी के अनुसार, पांच अभियोजकों को विस्फोट जांच की जिम्मेवारी सौंपी गई है। आनलाइन पोस्ट वीडियो में जोरदार धमाका और आग की लपटें उठती दिख रही हैं। घटना होते ही राहगीर भाग खड़े हुए। घटना के बाद पुलिस के साथ ही एंबुलेंस और अग्निशमन की गाडियां वहां पहुंच गई। इंटरनेट मीडिया यूजर्स ने कहा कि दुकानें बंद हो गई हैं और एवेन्यू को बंद कर दिया गया है।

इस्तांबुल सरकार के अली यरलिकाया ने ट्वीट किया कि विस्फोट शाम करीब 4:20 बजे हुआ। तुर्किये के मीडिया वाचडाग ने विस्फोट की रिपोर्टिंग पर अस्थायी रूप से प्रतिबंध लगा दिया है। रेडियो एवं टेलीविजन सुप्रीम काउंसिल ने भी यही कदम उठाया है। ऑनलाइन पोस्ट किए गए एक वीडियो में आग की लपटें और तेज धमाका होता दिख रहा है। अन्य फुटेज में घटनास्थल पर एंबुलेंस, फायर ट्रक और पुलिस को दिखाया गया है।

टीपू की 100 फुट ऊंची प्रतिमा लगाने की कांग्रेस विधायक की घोषणा का सिद्धारमैया ने किया समर्थन

बेंगलुरु (ईएमएस)। कांग्रेस के विधायक तनवीर सैत के कर्नाटक में टीपू सुल्तान की 100 फीट ऊंची मूर्ति लगाने का वादा करने के एक दिन बाद पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व सीएम सिद्धारमैया ने इस प्रोजेक्ट पर अपनी सहमति जताई है। इसके साथ ही उन्होंने भाजपा पर इतिहास के तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करने का भी आरोप लगाया है। कांग्रेस विधायक के वादे के बारे में पूछे जाने पर सिद्धारमैया ने कहा कि टीपू सुल्तान की मूर्ति क्यों नहीं बनाई जा सकती, उन्हें बनाने दो, क्या वह इसके लायक नहीं हैं?

उन्होंने कहा कि भाजपा ने इतिहास को तोड़-मरोड़ कर पेश किया है। उन्होंने नारायण गुरु, अंबेडकर और अन्य के बारे में क्या कहा? वे झूठी बातें कहते हैं। इस हफ्ते की शुरुआत में कर्नाटक में कांग्रेस के विधायक तनवीर सैत ने मैसूर के श्रीरंगपटन में टीपू सुल्तान की 100 फीट ऊंची मूर्ति का वादा किया था। नरसिम्हाराजा सीट से विधायक चुने गए सैत ने कहा कि यह मूर्ति आने वाली पीढ़ियों के लिए टीपू सुल्तान के सच्चे इतिहास के प्रतीक के रूप में खड़ी रहेगी। विधायक ने दावा किया कि उस योद्धा के इतिहास को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने 'विकृत' किया है।

सैत ने मैसूर में टीपू कन्नड़ राज्योत्सव में हिस्सा लेते हुए कहा कि 'मैसूर या श्रीरंगपट्टन में टीपू सुल्तान की 100 फीट ऊंची प्रतिमा लगाई जाएगी, जो उनके असली इतिहास के प्रतीक के रूप में खड़ी होगी। भाजपा सरकार टीपू सुल्तान के इतिहास को तोड़-मरोड़ कर पेश कर रही है और उसकी विरासत को खत्म करने पर तुली हुई है। इसलिए इस प्रतिमा को बनाने की तत्काल जरूरत थी। उन्होंने कहा कि 'इस्लाम में मूर्तियों के निर्माण पर प्रतिबंध होने के बावजूद मैं आने वाली पीढ़ियों को सच बताने के लिए टीपू की एक मूर्ति लगाऊंगा। गौरतलब है कि मैसूर के टाइगर के रूप में मशहूर टीपू सुल्तान के नाम पर कर्नाटक में विवाद होता रहा है।

समाजिक आक्रोश के भय से अभिव्यक्ति की आजादी को दबाने का कोई औचित्य नहीं : जस्टिस जसपाल

नई दिल्ली (ईएमएस)। कश्मीर को लेकर 'पाकिस्तान की भाषा' बोलने वाले केरल के विधायक केटी जलील को दिल्ली की अदालत से राहत मिल गई है। अदालत ने उनके खिलाफ दर्ज की गई शिकायत को खारिज कर दिया। विधायक केटी जलील ने जो ट्वीट किया था, उसे बाद में डिलीट कर दिया गया। शिकायत खारिज करते हुए राउज एवेन्यू कोर्ट के एडिशनल चीफ मेट्रोपॉलिटन मैजिस्ट्रेट हरजोत सिंह जसपाल ने कहा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता उन कदमों की रक्षा करती है, जो समाज को बहुत अपमानजनक लग सकते हैं और अकेले समाज के आक्रोश के चलते अभिव्यक्ति की आजादी को दबाने का कोई औचित्य नहीं है।

अदालत ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि तथ्य और सच्चाई का त्याग कर विधायक ने अनुचित राजनीतिक लाभ हासिल करने के लिए जल्दबाजी में यह बयान दिया। यह शिकायत एडवोकेट जीएस मणि ने दाखिल की थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि केटी जलील ने अपने ट्वीट के जरिए आईपीसी के तहत कई अपराध किए हैं और उसकी जांच की जानी चाहिए। आवेदक ने कथित तौर पर देश विरोधी टिप्पणी करने के लिए सेक्शन 124ए, 153ए, 153बी, 504, 505(1) और 505(2) के तहत आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की थी।

विधायक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर पर यह टिप्पणी की थी। कोर्ट ने इस दलील को ठुकरा दिया कि आरोपी की कश्मीर या पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर से संबंधित टिप्पणी से हिंदुओं और मुसलमानों के बीच दुश्मनी पैदा हो सकती है। अदालत ने कहा कि यह मानना बिल्कुल गलत और मूर्खतापूर्ण है कि दोनों समुदायों में से कोई भी कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग नहीं मानता है।

कोर्ट ने कहा हिंदू और मुसलमान दोनों और सभी धर्मों के सभी नागरिक कश्मीर को भारत का एक अविभाज्य हिस्सा मानते हैं और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को 'आजाद कश्मीर' कहने के विचार से दोनों समुदायों या कहें कि हर समुदाय के प्रत्येक भारतीय को समान रूप से पीड़ा और नाराजगी होगी। जज ने कहा कि लोकतांत्रिक भारत की सामाजिक व्यवस्था, धर्मनिरपेक्ष ताना-बाना और बंधुत्व की भावना इतनी कमजोर नहीं हो सकती है कि यह स्वार्थी राजनेताओं के बिना सोचे-समझे दिए बयानों से टूट जाए। उन्होंने कहा कि मैं गर्व के साथ राष्ट्रीय एकता के बारे में भी यही बात कह सकता हूं।

राष्ट्रपति के लुक पर टिप्पणी करने वाले टीएमसी नेता पर एफआईआर, प्रदर्शनकारियों ने मंत्री की गाड़ी रोकी

नई दिल्ली (ईएमएस)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पर अपमानजनक टिप्पणी करने वाले तृणमूल कांग्रेस नेता अखिल गिरी की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। भाजपा सांसद लॉकेट चटर्जी ने रविवार को गिरी के खिलाफ नॉर्थ एवेन्यू पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। चटर्जी ने गिरि के खिलाफ आईपीसी और अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति (एससी/एसटी) अधिनियम की धाराओं के तहत तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

उन्होंने कहा कि पार्टी चीफ ममता बनर्जी को गिरी को बर्खास्त कर देना चाहिए और खुद राष्ट्रपति मुर्मू से इस घटना के लिए माफी मांगनी चाहिए। एफआईआर दर्ज कराने के बाद चटर्जी ने कहा ममता बनर्जी को इस मामले पर बयान देना चाहिए। अखिल गिरी उनकी सरकार में मंत्री हैं, उन्हें उन्हें तुरंत बर्खास्त किया जाना चाहिए। वे दिल्ली आएं और माफी मांगें। वह जनता के बीच एससी-एसटी के बारे में बहुत कुछ कह सकती हैं, लेकिन उनके मंत्रियों की यही असली भावना है।

वहीं, अखिल गिरी की टिप्पणी के विरोध में आदिवासी समाज के लोगों ने रविवार को बांकुड़ा में सड़क जाम कर दी। कई आदिवासी समितियों के समर्थक आज खटड़ा, बांकुड़ा में सड़कों पर उतर आए। इन लोगों ने पश्चिम बंगाल सरकार में मंत्री ज्योत्सना मंडी की कार को रोक दिया और जोरदार प्रदर्शन किया।

मालूम हो कि वीडियो क्लिप वायरल होने के बाद गिरी ने अपने विवादित बयान के लिए माफी मांग ली थी। गिरि को 17 सेकंड के इस वीडियो में 'राष्ट्रपति के रूप' के बारे में टिप्पणी करते हुए सुना जा सकता है। कोलकाता समेत राज्य के विभिन्न हिस्सों में भाजपा कार्यकर्ताओं ने रैली निकालकर गिरी को मंत्री पद से बर्खास्त करने और उनकी गिरफ्तारी की मांग की।

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को महाराष्ट्र में मिल रहा भरपूर समर्थन

- 250 साहित्यकारों को मिला राहुल गांधी का साथ

मुंबई, (ईएमएस)। इन दिनों राहुल गाँधी के नेतृत्व में कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा महाराष्ट्र में है. यहां भी भारत जोड़ो यात्रा का भरपूर समर्थन राहुल गाँधी को मिल रहा है. खासकर जिस क्षेत्र से यात्रा गुजर रही है वहां पारंपरिक वेशभूषा में लोग राहुल गांधी का स्वागत कर रहे हैं. उन्हें प्रामाणिक मराठी संस्कृति दिखाते हुए लोगों द्वारा उनका गर्मजोशी से स्वागत किया जा रहा है। हर रोज बड़ी संख्या में लोग इस यात्रा में शामिल हो रहे हैं. पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि रविवार को महाराष्ट्र के क़रीब 250 बड़े साहित्यकारों ने भी राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को समर्थन दिया है. राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा महाराष्ट्र के हिंगोली ज़िले में है. हिंगोली में साहित्यकारों ने राहुल गांधी से मुलाक़ात कर अपना समर्थन दिया और एक पत्र भी राहुल गांधी को सौंपा है. पत्र में लिखे पांच बड़े मुद्दे इस प्रकार हैं-

1) धर्मनिरपेक्षता (हम वर्तमान सरकार को पसंद नहीं करते हैं. हम आपके नरम हिंदुत्व को भी स्वीकार नहीं करते हैं.)

2) आर्थिक नीति- बेरोजगारी, आय में कमी

3) शिक्षा (शिक्षा की संविदा प्रणाली का विरोध महंगी शिक्षा)

4) किसान/मजदूर- किसान आत्महत्या कर रहे हैं. श्रम कानून गलत है.

5) कलाकार, लेखक की व्यक्तिगत स्वतंत्रता इस समय खतरे में है, मौजूदा प्रधानमंत्री माहौल खराब कर रहे हैं.

कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर पर बड़े फूड चेन कारोबारियों को मिलने वाली छूट खत्म

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार ने कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर पर बड़े फूड चेन कारोबारियों को मिलने वाली छूट को खत्म कर दिया है। इससे पहले, बड़े फूड कारोबारियों को 19 किलो के कॉमर्शियल सिलेंडर पर प्रति सिलेंडर 200 से 300 रुपये की छूट मिल रही थी। बड़े कारोबारियों को मिलने वाला यह डिस्काउंट सीधे कंपनी से मिलता है। वहीं महंगाई की सबसे ज्यादा मार झेल रहे छोटे व्यापारियों को कोई छूट नहीं दी जा रही थी। इस मामले को लेकर केंद्र सरकार को कई शिकायतें मिली थीं।

एचपीसीएल ने अपने डिस्ट्रिब्यूटर्स को संबोधित करते हुए एक आदेश जारी किया है और बताया है कि 8 ग्राहकों और डिस्ट्रिब्यूटर्स को किसी भी तरह का ऑफर या डिस्काउंट नहीं दिया जाएगा।

सरकारी कर्मचारी के आश्रित को सरकारी नौकरी ही दी जानी चाहिए - डिफेंस एम्पलाइज फेडरेशन

नई दिल्ली (ईएमएस)। ऑल इंडिया डिफेंस एम्पलाइज फेडरेशन ने मांग की है कि सरकारी कर्मचारी के आश्रित को सरकारी नौकरी ही दी जानी चाहिए। फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एसएन पाठक जी ने बताया कोविड रिलीफ पैकेज के नाम पर 1 अक्टूबर 2021 को ऑर्डीनेंस फैक्ट्रीयों का निगमीकरण कर दिया गया था कोविड काल तथा निगमीकरण के पश्चात अनुकंपा नियुक्तियों पर अघोषित रोक लगी थी। वर्षों से अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरण लंबित पड़े थे। इस दौरान कुछ कर्मचारियों की मृत्यु होने की दशा में उनके आश्रित लगातार फेडरेशन यूनियन नेताओं से संपर्क कर सहायता की गुहार लगाते रहे हैं। ऑल इंडिया डिफेंस एम्पलाइज फेडरेशन अनुकंपा नियुक्ति मांग को लगातार हर फोरम में मजबूती से सरकार के समक्ष उठाता रहा है। फेडरेशन की हमेशा से मांग रही है कि सरकारी कर्मचारी के आश्रित को सरकारी नौकरी ही दी जानी चाहिए । आयुध निदेशालय (पूर्व ध्इँ)द्वारा दिनांक 10 नवंबर का अनुकंपा नियुक्ति पर नीति निर्धारित करते हुए पत्र जारी किया गया है जिसमें कहा गया है कि 7 डीपीएसयू अपने नियमों के आधार पर अनुकंपा नियुक्ति करने के लिए सक्षम होंगे, अनुकंपा नियुक्तियों के सभी लंबित तथा वर्तमान समय के प्रकरण 7 डीपीएसयू अपने नियमों के आधार पर नियुक्तियां प्रदान करने के लिए सक्षम होंगे , अर्थात ओर्डीनेंस फैक्ट्री कर्मचारी के आश्रित को शासकीय सेवा के बदले डीपीएसयू के नियम के अधीन गैर शासकीय नौकरी अनुकंपा के तहत दी जाएगी । स्वयं रक्षा उत्पादन सचिव ने आश्वासन दिया था कि अनुकंपा नियुक्ति ऊपर सकारात्मक रुख अपनाकर पीड़ित परिवारों को जल्द से जल्द राहत दी जाएगी, परंतु आश्वासन को दरकिनार कर मृतक कर्मचारियों के आश्रितों के साथ छल किया गया है। ऑल इंडिया डिफेंस एम्पलाइज फेडरेशन सरकार से मांग करता है कि मृत शासकीय कर्मचारी के आश्रित को सरकारी नौकरी ही दी जाए। डीपीएसयू के नियमों के तहत 4 साल की आयुधवीर की नौकरी समस्या का कोई हल नहीं है। पीड़ित परिवार के जीविकोपार्जन के लिए सरकारी नौकरी का होना जरूरी है। कर्मचारी नेता नेम सिंह, आरएन शर्मा, शिव पांडे, मिठाई लाल रजक, रोहित यादव, शरद बोरकर, अजय रजक, राजा पांडे, अमरीश सिंह, वीरेंद्र साहू, नितेश सिंह , राकेश दुबे, मनोज साहू , गोविंद सोनी, माखन कहार, पुष्पेंद्र सिंह , अर्नब दासगुप्ता , सिमेंद्र रजक, पार्थ ओझा, अमित चंदेल , आशीष विश्वकर्मा , उत्तम विश्वास, रितेश बेन, पप्पू तोमर ,राजेश भारती, प्रतिपाल भामरा, अमित गुप्ता, राहुल गुप्ता, विनय गुप्ता ,बीरबल, इत्यादि सरकारी नौकरी की मांग करते हैं।

कांग्रेस गुजरात में 15 दिन में करेगी 25 मेगा रैलियां, सोनिया गांधी व राहुल भी करेंगे चुनाव प्रचार

नई दिल्ली (ईएमएस)। हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव के बाद कांग्रेस ने अपना पूरा जोर मिशन गुजरात पर फोकस कर दिया है। पार्टी आगामी 15 दिनों में कुल 25 मेगा रैली करेगी जो 125 विधानसभा क्षेत्रों को कवर करेगी। रैलियों में पार्टी के तमाम बड़े नेता शिरकत करेंगे। कांग्रेस नेता के मुताबिक कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी भी गुजरात चुनाव में प्रचार करेंगे। राहुल गांधी इन दिनों भारत जोड़ो यात्रा पर महाराष्ट्र में हैं। वह हिमाचल प्रदेश चुनावों में प्रचार करने नहीं पहुंचे, लेकिन गुजरात में उनके आने की चर्चा है।

पार्टी सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, दोनों मुख्यमंत्री-अशोक गहलोत और भूपेश बघेल, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के अलावा पार्टी के पूर्व मुख्यमंत्रियों और ओबीसी-एससी-एसटी-अल्पसंख्यक वर्ग के बड़े नेता भी आगामी दिनों में गुजरात में रैलियां और चुनाव प्रचार करेंगे। पार्टी सूत्रों ने बताया कि इस बार भी कांग्रेस ने आक्रामक चुनाव प्रचार की रणनीति बनाई है।

उल्लेखनीय है कि 2017 के विधानसभा चुनाव में भी राहुल गांधी ने राज्य में आक्रामक चुनाव अभियान का नेतृत्व किया था। इस कारण कांग्रेस ने पिछले तीन दशकों में भाजपा को डबल डिजिट (99 सीट) पर लाकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था। इस बार, कांग्रेस ने बूथ प्रबंधन पर अधिक भरोसा करते हुए गुजरात विधानसभा चुनाव में अपनी रणनीति बदली है। राहुल गांधी ने फरवरी 2022 में द्वारका में राज्य स्तरीय चिंतन शिविर में पार्टी के चुनाव अभियान की शुरुआत की थी, जिसके बाद पार्टी ने गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए एक मौन अभियान योजना लागू की। इसके अलावा, कांग्रेस ने इस बार बड़े पैमाने पर घर-घर अभियान पर ध्यान केंद्रित करने का विकल्प चुना है।

उल्लेखनीय है कि गुजरात विधानसभा चुनाव दो चरणों (1 दिसंबर और 5 दिसंबर) में होंगे। चुनाव के नतीजे 8 दिसंबर को घोषित किए जाएंगे। भाजपा और कांग्रेस के साथ आम आदमी पार्टी की एंट्री से गुजरात में इस बार चुनावी मुकाबला त्रिकोणीय हो गया है।

सोहराबुद्दीन शेख मुठभेड़ मामले में गृह मंत्री अमित शाह की तरफ से मुख्य वकील नहीं था - न्यायमूर्ति ललित

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश उदय उमेश ललित ने आज कहा कि वह सोहराबुद्दीन शेख मुठभेड़ मामले में गृह मंत्री अमित शाह की तरफ से पेश जरूर हुए थे, लेकिन इसका कारण ठअपरिहार्यठ था क्योंकि इस मामले में वह कभी भी मुख्य वकील नहीं थे।एक समाचार चैनल के सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, ठयह सच है कि मैं अमित शाह की तरफ से पेश हुआ, लेकिन यह इसलिए अप्रासंगिक था क्योंकि मुख्य वकील राम जेठमलानी थेठ

न्यायमूर्ति ललित ने यह भी बताया कि मई 2014 में सरकार बदल गई, जबकि उन्हें पहली बार अप्रैल में शाह का प्रतिनिधित्व करने के लिए कहा गया था, जब पहले की सरकार सत्ता में थी। उन्होंने कहा, ठप्रक्रिया व्यवस्था बदलने से काफी पहले शुरू हो गई थीठ उन्होंने कहा, ठमुझे इस मामले में जानकारी दी गई थी, लेकिन मैं कभी भी मुख्य वकील नहीं रहा। मैं शाह के सह-आरोपियों की ओर से पेश हुआ,और वो भी मुख्य मामले में नहीं। ठ

अगस्त 2014 में न्यायाधीश के रूप में अपनी पदोन्नति से पहले, न्यायमूर्ति ललित कई हाई-प्रोफाइल और विवादास्पद मामलों में वकील थे। उन्होंने गुजरात में सोहराबुद्दीन शेख और तुलसीराम प्रजापति की कथित फर्जी मुठभेड़ हत्याओं के मामले में अमित शाह का प्रतिनिधित्व किया। यूयू ललित उस समय गुजरात के गृह मंत्री अमित शाह के वकील थे, जब मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार सोहराबुद्दीन शेख, उनकी पत्नी कौसरबी और सहयोगी तुलसीराम प्रजापति की कथित फर्जी मुठभेड़ों को लेकर सवालों के घेरे में आ गई थी।

2014 में पीएम मोदी के नेतृत्व में नवगठित भाजपा सरकार द्वारा न्यायपालिका के लिए पूर्व सॉलिसिटर जनरल गोपाल सुब्रमण्यम की सिफारिश को वापस भेजने के बाद न्यायाधीश के रूप में न्यायमूर्ति ललित की पदोन्नति जांच के दायरे में आ गई थी। यूयू ललित को कथित तौर पर सुब्रमण्यम की जगह सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था, जिसका नाम भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा पुनर्विचार के लिए वापस भेज दिया गया था।

जन हितैषी

सरकारों की जिम्मेदारी तय करे आयोग

राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग का कहना है कि दिल्ली और एनसीआर में पराली जलाए जाने के कारण जो प्रदूषण होता है। उसके लिए केंद्र एवं राज्य सरकारें जिम्मेदार हैं। सरकारों की यह जिम्मेदारी है कि फसलों की कटाई और पराली का निपटाने के लिए ?किसानों को मशीनें इत्यादि उपलब्ध करायें इसमें सरकारें असफल साबित हुई हैं। आयोग ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में कई दिनों से छाई धुंध की चादर पर स्वत संज्ञान लेते हुए दिल्ली, हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिवों को आयोग में तलब किया है।

दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान इत्या?दि राज्यों में धान की फसल की पराली लाखों ?किसान हर साल जलाते हैं। पिछले कई वर्षों से वायु प्रदूषण की समस्या बनी हुई है। किसानों के पास पराली जलाने के अलावा और कोई विकल्प नहीं होने से यह समस्या हमेशा बनी रहती है।

पिछले कई वर्षों से यह समस्या बनी हुई है. पंजाब सरकार, दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार इसे राजनीति का आधार पर एक दूसरे के ऊपर ठीकरा फोड़कर राजनीति करती हैं। लेकिन इसका खामियाजा करीब 20 करोड़ जनता को भुगतना पड़ता है। केंद्र सरकार को सभी राज्यों को जोड़कर किसानों के लिए पराली से निपटान के लिए योजना बनानी चाहिए थी। पराली का उपयोग ऊर्जा के लिए करना था। खाद के लिए करना था यह केवल सरकारों के स्तर पर ही संभव था। किसानों द्वारा पराली के निपटान की कोई व्यवस्था अपने स्तर पर करना संभव ही नहीं था। जो लोग सत्ता में बैठे हैं उनकी कोई जिम्मेदारी तय नही होती है। जिसके कारण सारा खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ता है। दिल्ली सरकार पिछले वर्षों में पंजाब के ऊपर पराली जलाने को लेकर राजनीति करती थी। अब पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार है, इसीलिए उसकी भाषा बदल गई है। इसी तरह पिछले 8 वर्षों से केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। उत्तर प्रदेश, हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी की सरकारें हैं। सभी ने अपनी जिम्मेदारी का पालन ना करते हुए आम जनता को संकट में डाला है।

राष्ट्रीय मानव अधिकार ने स्वयं संज्ञान लिया है। उससे आशा की जा सकती है, कि वह केंद्र सरकार और राज्य सरकारों की सामूहिक जिम्मेदारी तय करे। निश्चित समय सीमा पर पराली के निपटान के लिए संयंत्रों ?जिसमें खाद निर्माण संयंत्र और उर्जा के संबंध में जो वैकल्पिक साधन हो सकते हैं, उन पर ठोस कार्यवाही करने के लिए ??जिम्मेदरी तय करे। आधुनिक युग में पराली के माध्यम से बिजली उत्पादन, खाद एवं गैस से संबंधित उत्पाद तैयार कर पराली के माध्यम से करोड़ों अरबों रुपयों की जा सकती थी। उसमें केन्द्र तथा राज्य सरकारें पूर्णता असफल साबित हुई हैं। वहीं करोड़ों लोगों को वायु प्रदूषण के कारण भारी नुकसान उठाना पड़ा है। लाखों लोग समय-समय पर बेरोजगार हो जाते हैं। नियमित जिंदगी पर इसका असर होता है। राष्ट्रीय मानव अ?धिकार आयोग सुनवाई करने के बाद केन्द्र, राज्य सरकारें और ?जिम्मेदार अ?धिका?रियों की कानूनी ??जिम्मेदारी तय करे। करोड़ों लोगों का स्वास्थ्य इससे प्रभा?वित हो रहा है। इस मामले में राष्ट्रीय अ?धिकार मानव आयोग मानव अ?धिकारों को लेकर गंभीर है, तो इसके लिए सरकारों की जिम्मेदारी तय होना बहुत आवश्यक है।

ऐसे थे बच्चों के प्यारे चाचा नेहरू

(बाल दिवस (14 नवम्बर) पर विशेष)

भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू की शख्सियत से भला कौन परिचित नहीं होगा। बच्चों से उन्हें इतना लगाव था कि उन्हें प्यार से 'बच्चों के प्यारे चाचा नेहरू' कहा जाने लगा था। अपने कोट की जेब पर हमेशा प्रेम का प्रतीक गुलाब का फूल लगाए रहने वाले जवाहरलाल नेहरू बच्चों से इतना स्नेह करते थे कि आज भी वह देश के प्रथम प्रधानमंत्री से पहले 'चाचा नेहरू' के रूप में ही अधिक याद किए जाते हैं। बच्चों के प्रति पंडित नेहरू के इस विशेष लगाव को देखते हुए ही सन् 1956 से उनके जन्मदिन को 'बाल दिवस' के रूप में मनाने का निश्चय किया गया था और तभी से पंडित नेहरू का जन्मदिवस (14 नवम्बर) बाल दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। जब उनके जन्मदिवस को 'बाल दिवस' के रूप में मनाने का निश्चय किया गया था, तब नेहरू जी ने कहा था, ''मुझे इस बात की बेहद खुशी है कि मेरे देश के बच्चों ने मेरे जन्मदिन को ही 'अपना दिन' बना लिया है। इससे ज्यादा इज्जत और खुशी की बात भला मेरे लिए और क्या हो सकती है कि मेरे मुल्क के बगीचे के इन कोमल फूलों और कोंपलों ने मुझे अपना इतना स्नेह दिया है। मेरी यही कामना है कि इन सबको फलने-फूलने का पर्याप्त अवसर मिले।''

पं. जी के जीवनकाल के अनेक ऐसे संस्मरण एवं किस्से उद्धृत किए जा सकते हैं, जो उनकी महान् शख्सियत और बच्चों के प्रति उनका अपार स्नेह बयान करते हैं।

एक बार नेहरू जी बाल मंदिर देखने गए थे, जहां तीन से पांच साल तक के बच्चे पढ़ते थे। उस समय सभी बच्चे नाच-गाने में मग्न थे। जब पंडित जी वहां पहुंचे और दूर बैठकर बच्चों का नाच-गाना देखने लगे तो एक चार वर्षीया बालिका उनके पास आई और बड़े अनुरोधपूर्वक कहा कि आप भी हमारा साथ दीजिए। पहले तो पंडित जी काफी ना-नुकूर करते रहे। उन्होंने बच्चों को यह कहकर बहलाने का प्रयास भी किया कि इस बार तो नहीं लेकिन अगली बार तुम्हारे साथ जरूर नाचूंगा लेकिन जब उस बच्ची ने जिद पकड़ ली तो आखिर पंडित जी को उस छोटी सी बच्ची के आगे झुकना पड़ा और इतने विशाल देश के प्रधानमंत्री होते हुए भी उन बच्चों की खुशी के लिए उनके साथ वे बच्चा बनकर नाचे।

जब दीवाली का मौका होता तो वे अपने नाती राजीव और संजय के बाल मित्रों को आनंद भवन बुलाते और उनके साथ दीवाली मनाते हुए कहते कि बच्चों आतिशबाजी चलाकर दीपावली मनाओ और खुशियां बांटो। जो बच्चे पटाखे चलाते हुए डरते, उन्हें कहते कि जो बच्चे इन छोटे-छोटे पटाखों से ही डर जाएंगे, वे आगे चलकर देश के बहादुर सिपाही कैसे बनेंगे? कभी-कभी वह इलाहाबाद में दीवाली की रात बाहर का नजारा देखने निकल पड़ते और रास्ते में गरीब बच्चों को भी मिठाईयां, नए कपड़े और पटाखे देते हुए उनके साथ पटाखे चलाने लगते।

एक बार उन्हें किसी जरूरी काम से दीवाली पर मास्को जाना पड़ा। उस समय तक वहां दीवाली के मौके पर पटाखे नहीं चलाए जाते थे लेकिन पंडित जी की दीवाली तो बच्चों के साथ पटाखे चलाए बिना अधूरी थी। इसलिए उन्होंने वहां भी बच्चों से पटाखे मंगवाए और काफी बच्चों को एकत्रित कर उनके साथ पटाखे चलाने लगे। वहां के बच्चे पटाखों की रंग-बिरंगी रोशनी और धूमधड़ाके से बहुत प्रभावित हुए और खुशी से झूम उठे। उसके बाद से मास्को में भी हर साल दीवाली के मौके पर पटाखे चलाने का दौर शुरू हो गया।

नेहरू जी छोटे थे, तब की एक घटना है। एक बार मैदान में कुछ बच्चे गेंद से खेल रहे थे। खेलते-खेलते गेंद उछलकर लकड़ी के एक खोल में जा गिरी। खोल का मुंह छोटा था, इसलिए बच्चों से बहुत कोशिश के बाद भी गेंद नहीं निकल पा रही थी। जब नेहरू जी ने बच्चों की परेशानी को देखा तो उनसे रहा न गया। उन्होंने उन बच्चों से दो बाल्टी पानी मंगवाया और पानी लकड़ी के उस खोल में भर दिया। फिर क्या था, पानी भरते ही गेंद पानी में ऊपर आ गई और उन्होंने गेद निकालकर बच्चों को दे दी। सभी बच्चे बालक जवाहरलाल की बुद्धिमत्ता से बहुत प्रभावित हुए।

बच्चों के साथ-साथ देश और जनता से भी नेहरू जी बहुत प्यार करते थे और यही कारण था कि अधिकांश देशवासी भी उनसे उतना ही स्नेह करते थे और उन्हें आदर-सम्मान देते थे, जितना बच्चे देते थे। 74 वर्ष की आयु में 27 मई 1964 को पंडित जी स्वर्ग सिधार गए लेकिन अपने निधन से पूर्व अपनी वसीयत में उन्होंने लिखा, ''मेरे मरने के बाद मेरी अस्थियां देश के उन खेतों में बिखेर दी जाएं, जहां भारत का किसान अपना पसीना बहाता है ताकि वे देश की मिट्टी में मिल जाएं।'' तो ऐसे थे बच्चों के प्यारे चाचा नेहरू! (लेखिका - श्वेता गोयल/ईएमएस) (लेखिका शिक्षिका हैं)

बालश्रम की भट्ठी में झुलसता देश का भविष्य-?

(14 नवबंर 2022 बाल दिवस पर विशेष)

बेशक14 नंवम्बर 2022 को बाल दिवस मनाया जा रहा है।मगर ऐसे आयोजन औपचारिकता भर रह गये है। जिन बच्चों के हाथों में किताब, कापी, पैसिल होनी चाहिए वे हाथ जोखिम उठा रहे हैं मजदूरी कर रहे हैं गैंती-बेलचा चला रहे हैं नन्हे हाथों में छाले आ जाते हैं जब यह मजदूरी करते हैं ।भले ही आज देश आजाद हो चुका है मगर देश का आधार माने जाने वाले बच्चे आज भी बाल मजदूरी की जजीरों से आजाद नहीं हो पाए हैं,बाल मजदूरों का शोषण किया जा रहा है। बालश्रम की भट्ठी में बचपन झुलस रहा है मगर जनता के मसीहा बेखबर हैं।भारतीय संविधान की अनुच्छेद 24 के अन्तगत बालश्रम अबैध घोषित है। मगर कानून फाईलों की शोभा बढा रहे हैं। समझ नहीं आता कि जिनके अभी खेलने कूदने के दिन हैं वे ऐसे काम करते हैं कि रुह कांप उठती हैं। बालश्रम की समस्या हमारे देश में नई नहीं हैं।यह समस्या बेहद गंभीर स्थिति में पहुंच चुकी है।देश में बाल मजदूरों की संख्या निरंतर बढती जा रही है।देश में समय-समय पर बाल मजदूरी के हजारों मामले प्रकाश में आते रहते है।देश में बाल मजदूरी के आंकडे चैंकाने वाले है ।प्रतिदिन कही न कही बाल मजदूरों को रिहा करवाया जाता है। चाय की दुकानों ,ढाबों ,होटलों, उद्योगों और घरों में भी 18.18 घंटे काम लिए जाने की घटनाएं तो आम हैं ही ,इन्हे इसके बदले दिया जाने वाला मेहनतनामा भी कम होता है। प्रतिदिन देश में बालमजदूरों को रिहा करवाया जाता है।अगर इस पर सख्त कानून बनाया जाए तो यह बालमजदूरी पर रोक लग सकती है ।,देश का भविष्य कहलाले वाले इन नौनिहालों के साथ अमानवीय व्यवहार किया जाता है ,यह किसी भी सभ्य समाज और कानून में मान्य नहीं होना चाहिए। हर रोज एसे मामले समाचारों की सुखि।यां बनती है।ऐसे मामलो को पर कुछ दिन कारबाई होती है उसके बाद वही परिपाटी चलती रहती है।बाल मजदूर पिसते रहते है।जनमानस को भी बाल मजदूरी के ऐसे मामलों की शिकायत प्रशासन से करनी चाहिए ताकि उनका शोषण रोका जा सके। देश के प्रत्येक राज्य में ऐसे मामले घटित होते रहते है।अगर प्रशासन सर्तकता से इन पर संज्ञान ले तब इस पर रोक लग सकती है।कानूनों की अवहेलना करने वालों पर शिंकजा कसा जाए।मालिको को हवालातों में डाला जाए जो बच्चों का शोषण कर रहे है।प्रशासन को छापेमारी करके इन बच्चों को छुडाना चाहिए। आखिर कब तक बालश्रम कानून की धज्जियां उडती रहेगीं। बाल मजदूरी एक कड़वी सच्चाई है इससे सरकारों को अनदेखा नहीं करना चाहिए अपितू सख्त कानून बनाकर इसका खात्मा करना चाहिए। जिनके अभी खेलने कूदने के दिन हैं वे ऐसे काम करते हैं कि रुह कांप उठती हैं। बाल मजदूरी आज एक बहस का विषय बनता जा रहा है, कानूनों का मजाक उडाया जा रहा है सरकारें भी कानून बनाकर इतिश्री कर लेती है यदि शिकजा कसा जाए तो इस पर कुछ हद तक रोक लग सकती है।,श्रम विभाग व्दारा भी कभी कभार छापामारी की जाती है मगर फिर वही सिलसिला चलता रहता है।सरकारें मूकदर्शक बनी हुई हैं,यदि सरकारों को जरा भी सदमा होता तो इस प्रथा पर जरूर रोक लगाती। यह समस्या विश्वव्यापी है। आज पटाखा फैक्टरियों,चूडियों के उद्योगों में ,गलीचा बनाने वाले उद्योगों में बाल मजदूरों की संख्या ज्यादा है।देश में समय-समय पर बाल मजदूरों को सामाजिक संस्थाओं द्वारा छुडाया जाता है ।उतरप्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडू ,गुजरात, आन्ध्रप्रदेश,हिमाचल प्रदेश में उद्योगों में अधिकतर काम बालश्रमिकों के कधों पर हैं।बालश्रम का यह अवैध धंधा बडे पैमाने पर पनपता जा रहा है।समाज को इस पर मंथन करना होगा।अगर समय रहते इस पर रोक न लगाई तो भविष्य में हालात बेकाबू हो सकते है।देश में खैनी, जरदा, तम्बाकू, गुटका,बीडी, व अन्य नश्ीाले पदार्थों के उद्योगों में बालश्रमिक ही इन को बनाते हैं।माचिस ,आतिशबाजी, के उद्योगों में इनका शोषण किया जाता है। इनके मालिक इनको भर पेट खाना तक नहीं खिलाते है जिस कारण कई बाल मजदूर बीमार हो जाते है और असमय काल का ग्रास बन जाते हैं इनके मालिको द्वारा इनके स्वास्थ्य की जांच तो दूर की बात है।बाल मजदूरी गरीबी की वजह से पैदा होती हैं। परिवार पालने के लिए दिन रात काम करते हैं इन बाल मजदूरों को आराम तक का समय भी नहीं मिलता है । बालश्रम के उन्मूलन के लिए सरकार को प्रभावी कदम उठाने चाहिए। यह देश के लिए बहुत ही शर्मनाक है। आज बाल मजदूरों की संख्या में अप्रत्याशित रुप से वृद्धि होती जा रही हैं मगर सरकारें इस पर रोक लगाने में अक्षम नजर आ रही है प्रतिदिन हजारों बाल मजदूरों को सामाजिक संस्थाओं के प्रयासों से मुक्त करवाया जाता है मगर ऐसे भी मामले हैं जो प्रकाश में नहीं आ रहे हैं और बालमजदूर नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं ।प्रशासन को चाहिए बिना समय गंवाए इस पर त्वरित एक्शन लेना चाहिए।देश में आज बाल श्रमिकों का आंकड़ा कम होने के बजाए बढ़ता जा रहा है। इस पर रोक लगानी होगी।आज नाबालिग बच्चों को जबरदस्ती बाल मजदूरी की तरफ झोंका जाता है।बाल मजदूरों की सुरक्षा के लिए काफी कानून बने हैं पर वे नाकाफी साबित हो रहे हैं। यदि इन्हे कारगर ढंग से लागू किया जाए तो इस पर कुछ हद तक रोक लग सकती है। आज यह समस्या विश्व व्यापी बनती जा रही हैं।बाल मजदूरी को रोकने के लिए समाज के लोगों को आगे आना होगा ताकि इस पर नकेल लग सके और देश का भविष्य बर्बाद होने से बच सके। समाज को एक व्रत लेना होगा तभी इस पर लगाम लग सकती हैं।देश के भविष्य बचपन को बचाना होगा। एक अभियान चलाना चाहिए ताकि बाल मजदूरों को मुक्त करवाया जा सके।यह देश हित में है।बाल मजदूरी की इस प्रथा को जड़ से मिटाना होगा। अन्यथा बाल मजदूर बालश्रम की भठठी में झुलसते रहेंगें। (लेखक - नरेन्द्र भारती/ईएमएस) (वरिष्ठ पत्रकार, स्तंभकार)

भारत के आर्थिक विकास में जनजाति समाज का है भरपूर योगदान

भारत भूमि का एक बड़ा हिस्सा वनों एवं जंगलों से आच्छादित है। भारतीय नागरिकों को प्रकृति का यह एक अनोखा उपहार माना जा सकता है। इन वनों एवं जंगलों की देखभाल मुख्य रूप से जनजाति समाज द्वारा की जाती रही है। जनजाति समाज की विकास यात्रा अपनी भूख मिटाने एवं अपने को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से केवल वनों के इर्द गिर्द चलती रहती है। वास्तविक अर्थों में इसीलिए जनजाति समाज को धरतीपुत्र भी कहा जाता है। प्राचीन काल से केवल प्रकृति ही जनजाति समाज की सम्पत्ति मानी जाती रही है, जिसके माध्यम से उनकी सामाजिक, आर्थिक एंव पारिस्थितिकीय आवश्यकताओं की पूर्ति होती रहती है। ऐसा कहा जाता है कि अनादि काल से जनजाति संस्कृति व वनों का चोली दामन का साथ रहा है और जनजाति समाज का निवास क्षेत्र वन ही रहे हैं। इस संदर्भ में यह भी कहा जा सकता है कि वनों ने ही जनजातीय जीवन एंव संस्कृति के उद्भव, विकास तथा संरक्षण में अपनी आधारभूत भूमिका अदा की है। भील वनवासियों का जीवन भी वनों पर ही आश्रित रहता आया है। जनजाति समाज अपनी आजीविका के लिए वनों में उत्पन्न होने वाली विभिन्न प्रकार की वस्तुओं का उपयोग करते रहे हैं।

भारतीय वन क्षेत्रों में पाए जाने वाले प्रमुख वनस्पतियों, पेड़ों एवं उत्पादित वस्तुओं में शामिल रहे हैं बबूल, बेर, चन्दन, धोक, धामन, धावडा, गुदी, हल्दू, इमली, जामुन, कजरी, खेजडी, खेडा, कुमटा, महुआ, नीम, पीपल, सागवान, आम, मुमटा, सालर, बानोटीया, गुलर, बांस, अरीठा, आंवला, गोंद, खेर, केलडी, कडैया, आवर, सेलाई वृक्षों से करा, कत्था, लाख, मौम, धोली व काली मुसली, शहद, आदि। इनमें से कई वनस्पतियों की तो औषधीय उपयोगिता है। कुछ जड़ीबूटियों जैसे आंवला का बीज, हेतडी, आमेदा, आक, करनीया, ब्राह्मी, बोहडा, रोंजडा, भोग पत्तियां, धतुरा बीज, हड, भुजा, कनकी बीज, मेंण, अमरा, कोली, कादां, पडूला, गीगचा, इत्यादि का उपयोग रोगों के निवारण के लिए किया जाता रहा है। आमेदा के बीजों को पीसकर खाने से दस्त बंद हो जाते हैं। अरण्डी के तेल से मालिश एंव पत्तों को गर्म करके कमर में बांधने से दर्द कम हो जाता है। बुखार को ठीक करने के लिए कड़ा वृक्ष के बीजों को पीस कर पीते हैं। जोडों में दर्द ठीक करने के लिए ग्वार व सैजने के गोंद का उपयोग करते हैं। फोडे फुन्सियों एवं चर्म रोग को ठीक करने के लिए नीम के पत्तों को उबालकर पीते हैं। इसके अलावा तुलसी, लौंग, सोठ, पीपल, काली मिर्च का उपयोग बुखार एवं जुखाम ठीक करने के लिए किया जाता है।

शुरुआती दौर में तो जनजाति समाज उक्त वर्णित वनस्पतियों एवं उत्पादों का उपयोग केवल स्वयं की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए ही करते रहे हैं परंतु हाल ही के समय में इन वनस्पतियों का उपयोग व्यावसायिक रूप से भी किया जाने लगा है। व्यावसायिक रूप से किए जाने वाले उपयोग का लाभ जनजाति समाज को न मिलकर इसका पूरा लाभ समाज के अन्य वर्गों के लोग ले रहे हैं। उक्त वनस्पतियों एवं उत्पादों का व्यावसायिक उपयोग करने के बाद से ही प्रकृति का दोहन करने के स्थान पर शोषण किया जाने लगा है क्योंकि कई उद्योगों द्वारा उक्त उत्पादों का कच्चे माल के रूप में उपयोग किया जाने लगा है। इससे ध्यान में आता है कि जनजाति समाज द्वारा देश की अर्थव्यवस्था में विकास को गति देने के उद्देश्य से अपनी भूमिका का निर्वहन तो बहुत सफल तरीके से किया जाता रहा है परंतु अर्थव्यवस्था के विकास का लाभ जनजातियों तक सही मात्रा में पहुंच नहीं सका है।

हालांकि भारत में प्राचीन काल से ही जनजाति समाज जंगलों में अपना जीवन यापन करता रहा है और वनोपज (जैसे मध्यप्रदेश में तेन्दु पत्ता को एकत्रित करना) को एकत्रित करता रहा है परंतु अब धीरे धीरे अपने आप को यह समाज कृषि कार्य एवं पशुपालन जैसे अन्य कार्यों में भी संलग्न करने लगा है। जनजाति समाज ने बिना किसी भय के सघन वनों में जंगली जानवरों व प्राकृतिक आपदाओं से लड़ते हुए अपने जीवन को संघर्षमय बनाया है। जनजाति समाज ने कृषि कार्य के लिए सर्वप्रथम जंगलों को काटकर जलाया। भूमि साफ कर इसे कृषि योग्य बनाया और पशुपालन को प्रोत्साहन दिया। विकास की धारा में आगे बढ़ते हुए धीरे-धीरे विभिन्न गावों एवं कस्बों का निर्माण किया।

आज भी जनजाति समाज की अधिकांश जनसंख्या दुर्गम क्षेत्रों में निवास करती है। इन इलाकों में संचार माध्यमों का अभाव है। हालांकि धीरे धीरे अब सभी प्रकार की सुविधाएं इन सुदूर इलाकों में भी पहुंचाई जा रही हैं। परंतु, अभी भी जनजातीय समाज कृषि सम्बन्धी उन्नत विधियों से अनभिज्ञ है। सिंचाई साधनों का अभाव एवं उपजाऊ भूमि की कमी के कारण ये लोग परम्परागत कृषि व्यवस्था को अपनाते रहे हैं और इनकी उत्पादकता बहुत कम है।

जनजाति समाज ने वनों के सहारे अपनी संस्कृति को विकसित किया। घने जंगलों में विचरण करते हुए उन्होंने जंगली जानवरों शेर, भालु, सुअर, गेंडे, सर्प, बिच्छु आदि से बचने के लिए आखेट का सहारा लिया। वनों एवं पहाडियों के आन्तरिक भागों में रहते हुए भील समाज शिकार करके अपनी आजीविका चलाता रहा है। भील समाज जंगलों में झूम पद्धति से खेती, पशुपालन, एवं आखेट कर अपने परिवार का पालन पोषण करते रहे हैं।

घने जंगलों में जनजाति समाज को प्रकृति द्वारा, स्वछंद वातावरण, स्वच्छ जल, नदियाँ, नाले, झरने, पशु पक्षियों का कोलाहल, सीमित तापमान, हरियाली, आर्द्रता, समय पर वर्षा, मिटटी कटाव से रोक, आंधी एंव तूफानों से रक्षा, प्राकृतिक खाद, बाढ़ पर नियंत्रण, वन्य प्राणियों का शिकार व मनोरंजन इत्यादि प्राकृतिक रूप से उपलब्ध कराया जाता रहा है। इसी के चलते जनजाति समाज घने जंगलों में भी बहुत संतोष एवं प्रसन्नता के साथ रहता है।

जनजाति समाज आज भी भारतीय संस्कृति का वाहक माना जाता है क्योंकि यह समाज सनातन हिंदू संस्कृति का पूरे अनुशासन के साथ पालन करता पाया जाता है। जनजाति समाज आज भी आधुनिक चमक दमक से अपने आप को बचाए हुए है। इसके विपरीत शहरों में रहने वाला समाज समय समय पर भारतीय परम्पराओं में अपनी सुविधानुसार परिवर्तन करता रहता है।

हाल ही के समय में अत्यधिक आर्थिक महत्वकांक्षा के चलते वनों का अदूरदर्शितापूर्ण ढंग से शोषण किया जा रहा है। विश्व पर्यावरण एवं विकास आयोग के अनुसार विश्व में प्रतिवर्ष 110 लाख हैक्टर भूमि के वन नष्ट किये जा रहे है। पर्यावरण विशेषज्ञों के अनुसार प्रत्येक देश में उपलब्ध भूमि के लगभग 33 प्रतिशत भाग पर वन होना आवश्यक है। यदि वनों का इस प्रकार कटाव होता रहेगा तो जनजाति समाज पर विपरीत प्रभाव पड़ना स्वाभाविक ही है।

भारत द्वारा इस संदर्भ में कई प्रयास किए जा रहे हैं। देश में वनों के कटाव को रोकने के लिए वर्ष 2015 एवं 2017 के बीच देश में पेड़ एवं जंगल के दायरे में 8 लाख हेक्टेयर भूमि की वृद्धि दर्ज की है। साथ ही, भारत ने वर्ष 2030 तक 2.10 करोड़ हेक्टेयर जमीन को उपजाऊ बनाने के लक्ष्य को बढ़ाकर 2.60 करोड़ हेक्टेयर कर दिया है ताकि वनों के कटाव को रोका जा सके।

भारत में सम्पन्न हुई वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में अनुसूचित जनजातियों की कुल जनसंख्या 10.43 करोड़ है, जो भारत की कुल जनसंख्या का 8.6 प्रतिशत है। जनजाति समाज को देश के आर्थिक विकास में शामिल करने के उद्देश्य से केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा कई योजनाएं चलाई जा रही हैं ताकि इस समाज की कठिन जीवनशैली को कुछ हद्द तक आसान बनाया जा सके। (लेखक- प्रहलाद सबनानी / ईएमएस)

आज का इतिहास 14 नवंबर

1681 ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा बंगाल को अलग प्रेसीडेन्सी बनाने की घोषणा की गई।
1889 जवाहर लाल नेहरू का जन्म हुआ।
1891 बाबा साहेब आम्बेडकर का जन्म।
1955 कर्मचारी राज्य बीमा निगम की स्थापना हुई।
1957 बाल दिवस के रूप में मनाया जाने लगा।
1961 चेकोस्लोवाकिया में दो रेलगाड़ियों की टक्कर में 11 व्यक्ति मारे गए और सैकड़ों अन्य घायल हो गए।
1971 पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगलादेश) में समुद्री तूफान से तीन लाख से अधिक लोग मारे गए।
1989 नीमीबिया के चुनाव में स्वापो को भारी सफलता मिली।
1991 बर्लिन में धरने पर बैठे लोगों को हटाने हेतु सुरक्षा बलों ने तीन सौ लोगों को गिरफ्तार किया व 71 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।
1993 पूर्व वित्तमंत्री यशवंत सिन्हा भाजपा में शामिल।
1997 रक्षा राज्यमंत्री एन.वी.एन.सोमो व तीन अन्य सैनिक अधिकारियों की अरुणाचल प्रदेश में हैलीकॉप्टर दुर्घटना में मृत्यु।
2000 भारत के 28 वें राज्य के रूप मे झारखंड अस्तित्व में आया। बाबूलाल मरांडी मुख्यमंत्री बने।
2000 अमेरीका ने पहली बार मुस्लिम त्योहार पर ईद मुबारक का डाक टिकट जारी किया।
2001 अफगानिस्तान में तालिबान शासन की समाप्ति पर जश्न।
2002 राष्ट्रपति अब्दुल कलाम ने कहा कि भारत परमाणु हथियार का इस्तेमाल पहले नहीं करेगा।
2003 दिल्ली में 2010 के राष्ट्रकुल खेल कराने की घोषणा।

शब्द पहेली - 7466

बाएँ से दाएँ

1.इच्छा,मन्नत-2
3.आश्रय,शरण-3
6.ठाठ-बाट-2
8.प्रकार-3
10.आवरण-3
12.तीर्थ,धार्मिक यात्रा-3
14.ख्वाब,स्वप्न-3
17.घर,आवास-3
19.लोच-3
21.भस्म,खाक-2
23.निगाह,दृष्टि-3
25.संबोधन-2
26.देवर्षि-3
28.तिजोरी-3
30.तरंग,हिलोर-3
32.गुंडा,बदमाश-3
35.अनुकृति-3
37.नाप करना-3
39.थोड़ा-2
40.उल्टी,कै-3
41.मां के पिता-2

ऊपर से नीचे

1.सप्तम,सातवां-2
2.पृथ्वी,वसुंधरा-3
4.घ्राणेंद्रिय-2
5.वासना,लालसा-3
7.खुमार,सरूर-2
9.रनिवास (उर्दू-3)
11.चतुर,तेज-3
13.थकावट-3
15.नृत्य करना-3
16.कुल,खानदान,वंश-3
18.पुराना जुकाम-3
20.कटि,शरीर का मध्यांग-3
22.ईमामदस्ता-3
24.नकद राशि,रोकड़-3
27.जलने की क्रिया-3
29.रवानगी,विदा होना-3
31.राशि,धन-3
33.आलेप करना, पोतना-3
34.रहस्य-2
36.बुरी आदत-2
38.अनेक प्रकार-2

शब्द पहेली - 7465 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

राजीव गांधी के हत्यारों की रिहाई

इन दिनों सर्वोच्च न्यायालय के लगातार कुछ ऐसे फैसले आ रहे हैं, जो आम लोगों की समझ के बाहर हैं ही, कई विधिवेत्ता भी उनसे सहमत नहीं हैं। जैसे कि ताजा फैसला, जो कि राजीव गांधी के हत्यारों के बारे में है। उन्हें काफी गहरी छान-बीन और बहस के बाद उम्र-कैद हुई थी। उनकी फांसी की सजा को पहले उम्र-कैद में बदला गया और अब जो छह उम्र कैदी बचे थे, उन्हें भी रिहा कर दिया गया है। एक उम्र कैदी परारीवालन को खराब स्वास्थ्य के आधार पर पहले ही जेल से छुटकारा दे दिया गया था। 21 मई 1991 में श्रीपेरंबदूर में हुए इस हत्याकांड में राजीव गांधी के साथ-साथ अन्य 14 लोग भी मारे गए थे। इसमें 41 लोग दोषी पाए गए थे। उनमें से 12 ने आत्महत्या कर ली थी। 3 फरार हो गए। 26 को फांसी की सजा मिली लेकिन 1999 में उनमें से सिर्फ 7 के लिए फांसी की सजा बरकरार रही। इस सजा को भी 2014 में उम्र-कैद में बदल दिया गया। सर्वोच्च न्यायालय ने यह इसलिए किया कि 11 वर्षों तक सरकार ने उनकी दया याचिका को लटकाए रखा था। अन्नाद्रमुक सरकार ने राज्यपाल को 2018 में फिर से दया याचिका पर सहमति देने को लिखा लेकिन उन्होंने इसे लटकाए रखा तो अब सर्वोच्च न्यायालय ने तमिलनाडु सरकार की याचिका को स्वीकार करते हुए सभी कैदियों को रिहा कर दिया है। जहां तक तमिलनाडु की द्रमुक और अन्नाद्रमुक सरकारों का सवाल है, इन हत्यारों के प्रति उनकी सहानुभूति का भाव तो समझ में आता है लेकिन आश्चर्य है कि सर्वोच्च न्यायालय ने किस आधार पर यह दया दिखाई है? यदि भारत के पूर्व प्रधानमंत्री के हत्यारे दया के पात्र हो सकते हैं तो हजारों साधारण हत्यारों को जेलों में क्यों सड़ाया जा रहा है? उन्हें भी छोड़ा क्यों नहीं जाता? राजीव के हत्यारों में देशी लोग तो थे, विदेश भी थे। श्रीलंकाई तमिल उग्रवादी भी थे। यदि विदेशी आतंकवादियों के लिए भी उम्र-कैद में छूट मिल सकती है तो वही छूट स्वदेशी हत्यारों को क्यों नहीं मिल सकती? उनकी रिहाई को लेकर तमिलनाडु के दलों और कांग्रेस में मुठभेड़ शुरु हो गई है। तमिल राजनीतिक दल इस रिहाई का स्वागत कर रहे हैं तो कांग्रेस इसका विरोध कर रही है। तमिल दलों का तर्क है कि जब राजीव गांधी की पत्नी सोनिया गांधी ने हत्यारों को क्षमादान दे दिया था तो अब उनकी रिहाई में कौनसी बुराई है? यह तो सोनिया गांधी का विलक्षण बड़प्पन है। उन्होंने ईसा मसीह की क्षमा-भावना का सच्चा अनुकरण किया है लेकिन अदालतों को तो अपना काम नियमानुसार करना चाहिए। अदालत का यह तर्क बिल्कुल लचर-पचर है कि पिछले तीन दशकों की जेल के दौरान इन कैदियों का आचरण उत्तम रहा है, इसलिए इन्हें छोड़ा जा रहा है। क्या इस तरह के हजारों अन्य कैदी नहीं हैं? उन्हें आप क्यों नहीं छोड़ते? क्योंकि उनके लिए जोर लगानेवाली सरकारें नहीं हैं या बड़े-बड़े वकीलों को अपने लिए अटकाने की सामर्थ्य उनमें नहीं है। सबसे अधिक दुखद तथ्य यह है कि इन हत्यारों की रिहाई पर तमिलनाडु में जश्न मनाया जा रहा है लेकिन कांग्रेस के वर्तमान पदाधिकारी तो इस फैसले पर दुख प्रकट करने में कोई लिहाज नहीं कर रहे हैं। (लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक/ईएमएस)

खेल - समाचार

बटलर बोले , सूर्यकुमार को मिले प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट

मेलबर्न (ईएमएस)। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने कहा है कि आईसीसी टी20 विश्वकप प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट अवॉर्ड भारतीय टीम के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव मिलना चाहिये। आईसीसी ने

जोस बटलर ने कहा, 'मेरे हिसाब से सूर्यकुमार ही प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहेंगे। मुझे लगता है कि उसने सभी से हटकर खुलकर क्रिकेट खेली है। स्टार खिलाड़ियों के बीच ही सूर्या ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा है। जिस तरह से वह खेले, अद्भुत है। सूर्या ने तीन अर्धशतक लगाये और वह सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों में शामिल रहे।

वहीं पाक कप्तान की पहली पसंद शादाब खान हैं।

आजम ने कहा कि शादाब को ही खिताब मिलना चाहिये।

फाइनल में भी नाकाम रहे आजम

पूरे टूर्नामेंट में छक्का नहीं लगा पाये

मेलबर्न (ईएमएस)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम टी20 विश्वकप क्रिकेट के फाइनल में रन बनाने में नाकाम रहे हैं। फाइनल में वह 32 रन ही बना पाये। आजम पूरे टूर्नामेंट में एक भी छक्के नहीं लगा सके।

लेग स्पिनर आदिल राशिद ने आजम को पेवेलियन भेजा। टी20 क्रिकेट में उन्होंने बाबर को चौथी बार आउट किया। बाबर ने फाइनल में 28 गेंद पर 114 की स्ट्राइक रेट से 32 रन बनाए जिसमें 2 चौके शामिल थे। वहीं पूरे विश्वकप कप की बात करें, तो बाबर ने 7 पारियों में 18 की औसत से 124 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 93 का रहा, जो बेहद खराब रहा। टूर्नामेंट में उन्होंने 13 चौके लगाये पर एक भी छक्का नहीं लगा पाये , लेकिन एक भी छक्का नहीं लगा सके। पाक टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट पर 137 रन बनाये। शान मसूद ने सबसे अधिक 38 रन बनाए जबकि इंग्लैंड की ओर से सैम करेन ने 3 , आदिल राशिद और क्रिस जॉर्डन ने 2-2 विकेट लिए।

अफगानिस्तान सरकार ने महिला क्रिकेट फिर शुरु करने की मंजूरी दी : आईसीसी

दुबई (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने ने कहा है कि अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने महिला क्रिकेट बहाल करने को मंजूरी दे दी है। इससे अब यहां महिला क्रिकेटरों के खेलने पर लगी पाबंदी हट जाएगी। वहीं इससे पहले तालिबान के देश पर कब्जा के बाद से ही अन्य खेलों की तरह ही महिला क्रिकेट पर भी रोक लग गयी थी। आईसीसी ने तब देश में क्रिकेट की स्थिति की समीक्षा के लिये एक कार्यकारी दल का गठन भी किया है। बोर्ड को अफगानिस्तान के कार्यकारी दल से ताजा जानकारी मिल गयी है। जिसमें अफगानिस्तान सरकार के प्रतिनिधियों और अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड से दोहा में हुई एक मुलाकात की जानकारी थी।

आईसीसी ने कहा कि सरकारी अधिकारी ने कहा कि उनकी प्रतिबद्धता पूरी तरह से आईसीसी के संविधान का सम्मान करने और इसका अनुकरण करने की है जिसमें विशेष रूप से विविधता और समावेशिता शामिल है, ऐसे में अब अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड अपने अनुसार काम करेगा। कार्यकारी दल के अध्यक्ष इमरान ख्वाजा ने कहा, ''बैठक सकारात्मक रही और सरकारी प्रतिनिधि आईसीसी के संविधान के पूर्ण समर्थन में थे जिसमें सैद्धांतिक रूप से अफगानिस्तान में महिला क्रिकेट की बहाली शामिल है।'' गौरतब है कि अफगानिस्तान आईसीसी के पूर्ण सदस्य देशों में एक है। अफगानिस्तान की पुरूष टीम ने 2021 और 2022 टी20 विश्व कप में हिस्सा लिया। साथ ही आईसीसी अंडर-19 वैश्विक प्रतियोगिता के 2027 तक मेजबानों की घोषणा की गयी।

अक टीम इंडिया में होंगे बदलाव, टी20 और एकदिवसीय में अलग-अलग कप्तान होंगे

मुम्बई (ईएमएस)। टी20 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट में मिली हार के बाद अब भारतीय टीम में नये बदलाव होने तय है। ऐसे में अगले साल की शुरुआत में टीम नये रुप में दिखेगी। टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में टीम की करारी हार के बाद से ही क्रिकेट बोर्ड पर भारी दबाव है। इसलिए नये साल में टी20 और एक-टेस्ट टीम के अलग-अलग कप्तान बनाये जाएंगे।

इस प्रकार जनवरी में श्रीलंका के खिलाफ घरेलू सीरीज में भारत की एकदिवसीय और टी20 टीम अलग-अलग कप्तानों के साथ नजर आयेगी। भारतीय टीम को जनवरी में श्रीलंका से तीन एकदिवसीय और तीन टी20 मैच खेलने हैं। इसमें रोहित शर्मा जहां एकदिवसीय टीम की कप्तानी करेंगे वहीं हार्दिक पंडया टी20 टीम के कप्तान होंगे। हार्दिक इससे पहले न्यूजीलैंड दौरे पर भारतीय टी20 टीम की कप्तानी करेंगे।

बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, 'अगल-अलग कप्तान बनाने पर विचार चल रहा है। इस दौरान यह भी देखा जाएगा कि यह नीति सही रहेगी या नहीं। इससे हालांकि यह एक कप्तान पर ही पड़ने वाला काम का बोझ कम होगा। हमें टी20 के लिए नए दृष्टिकोण की जरूरत है और साथ ही 2023 में भारत में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप को देखते हुए निरंतरता की भी जरुरत है। हम इसपर जनवरी में बैठकर ही कोई फैसला लेंगे।

बीसीसीआई अधिकारी ने कहा, इसे रोहित को कप्तानी से हटाये जाने के तौर पर नहीं देखना चाहिये। यह रोहित के लिए भविष्य और काम के बोझ को लेकर है। रोहित की उम्र भी बढ़ रही है। इसलिए हमें लगता है कि टी20 टीम के लिए नई सोच और नई ऊर्जा की जरूरत है।

इस बैठक को लेकर बीसीसीआई के अधिकारी ने कहा कि हम उन्हें बैठक के लिए बुला रहे हैं। सेमीफाइनल में जो हुआ, उसे पचा पाना संभव नहीं है। इससे यह तो साफ है कि बदलाव जरुरी है पर कोई भी बदलाव कप्तान और कोच की बात सुने बिना नहीं होगा। पूर्व कप्तान विराट और वर्तमान कप्तान रोहित के विचार लिए जाएंगे और इसके बाद ही भविष्य की टी20 टीम के बारे में कोई फैसला होगा.

गौरतलब है कि टी20 विश्व कप में हिस्सा लेने वाली भारतीय टीम 30.6 साल की औसत उम्र के साथ टूर्नामेंट की सबसे उम्रदराज टीमों में से एक थी। इस टीम में 37 साल के दिनेश कार्तिक सबसे अधिकि उम्र के खिलाड़ी थे और अब उनका बाहर होना तय है। वहीं आर अश्विन 37, रोहित शर्मा (35), विराट कोहली (33) और मोहम्मद शमी 34 भी शायद ही भविष्य की टी20 में फिट हो पायें। .

भारतीय टीम को अगले साल की शुरुआत में श्रीलंका से घरेलू धरती पर एकदिवसीय और टी20 सीरीज खेलनी है। इसके बाद न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया की टीम भारत दौरे पर आएगी। वहीं माना जा रहा है कि हार्दिक पंडया श्रीलंका के खिलाफ सीरीज से ही स्थायी तौर पर टी20 टीम के कप्तान बन सकते हैं जबकि रोहित एकदिवसीय और टेस्ट की कप्तानी करते रहेंगे।

महिला बिग बैश में एलिसा के नाबाद शतक से जीती सिडनी सिक्सर्स

मेलबर्न (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलियाई महिला बिग बैश (बीबीएल) टी20 क्रिकेट लीग में एक नया विश्व रिकार्ड बना है। यहां एलिसा हीली के शतक से सिडनी सिक्सर्स ने पर्थ स्कॉचर्स को 6 विकेट से हराया। हीली ने अंतिम गेंद पर चौका लगाकर अपनी टीम को यह जीत दिलाई। एलिसा ने नाबाद 107 रन बनाये।

बीबीएल का यह मुकाबला मेलबर्न के दूसरे मैदान जंक्शन ओवल में हुआ। इसमें पर्थ स्कॉचर्स ने पहले खेलते हुए 4 विकेट पर 176 रन बनाये। इसके बाद एलिसा के 64 गेंद पर 107 रनों की सहायता से सिडनी सिक्सर्स ने एक रोमांचक मुकाबले में जीत दर्ज की। एलिसा ने अपनी इस पारी में 12 चौके और 4 छक्के लगाए।

सिडनी को अंतिम ओवर में जीत के लिए 14 रन बनाने थे। क्लेरी की पहली 2 गेंद पर एश्ले गॉर्डनर ने 2 छक्के लगा दिये। इस प्रकार 4 गेंद पर सिर्फ 2 रन की जरुरत थी। क्लेरी ने अगली 2 गेंद पर पहले गॉर्डनर और फिर बर्न्स को पेवेलियन भेजकर मैच को रोमांचक बना दिया। वहीं 5वीं गेंद पर बोल्टन ने एक रन लेकर स्कोर को बराबरी पर ला दिया। इसके बाद अंतिम गेंद पर हीली ने चौका लगाकर टीम को जीत दिला दी।

177 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी सिडनी की शुरुआत खराब रही। सूजी बेट्स सिर्फ 3 रन बनाकर आउट हो गईं. इसके बाद एलिसा हीली और एलिसा पेरी ने दूसरे विकेट के लिए 154 रन जोड़कर टीम को संभाला। पेरी ने 40 गेंद पर 48 रन बनाए। इसके अलावा एश्ले गॉर्डनर ने 5 गेंद पर 14 रन बनाकर टीम को जीत की ओर अग्रसर किया। वहीं सोफी डिवाइन और क्लेरी ने 2-2 विकेट लिये।

इससे पहले पर्थ स्कॉचर्स ने बल्लेबाजी करते हुए 50 रन पर 3 विकेट खो दिए थे. इसके बाद ओपनर बल्लेबाज बेथ मूनी और मेरिजैन कैप ने अर्धशतक लगाकर स्कोर को 150 रन के नजदीक तक पहुंचाया। मूनी 75 रन बनाकर नाबाद रहीं जबकि कैप ने 68 रन बनाए।

कार्बन उत्सर्जन के लिए सिर्फ कोयला नहीं, सभी जीवाश्म ईंधन जिम्मेदार : भारत

शर्म अल-शेख (ईएमएस)। कोयले के उपयोग को समाप्त करने की बढ़ती मांग के बीच भारत ने मिस्र में आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु वार्ता (कॉप-27) में एक मजबूत स्टैंड लेते हुए कहा कि किसी एक ईंधन को 'खलनायक' बनाना सही नहीं है, क्योंकि प्राकृतिक गैस और तेल भी कार्बन उत्सर्जन का बड़ा कारण बनते हैं। कॉप-27 के दौरान लिए गए निर्णयों पर अध्यक्षीय परामर्श के दौरान अपना हस्तक्षेप करते हुए भारत ने निर्णय में कुछ बिंदुओं को शामिल करने का सुझाव दिया, भारत ने कहा कि पेरिस समझौते के दीर्घकालिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सभी जीवाश्म ईंधन को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने की आवश्यकता है।

नई दिल्ली ने राष्ट्रीय परिस्थितियों के अनुसार वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण में तेजी लाने का आग्रह किया और कहा 'सभी जीवाश्म ईंधन ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में योगदान करते हैं। भारत ने अन्य देशों को भी सतत उपभोग और उत्पादन के विषय में सतत विकास लक्ष्यों 12 (एसडीजी-12) पर विचार करने और जलवायु के अनुकूल जीवन शैली के लिए वैश्विक जन आंदोलन को बढ़ावा देने के लिए आमंत्रित किया।

भारतीय पक्ष ने कहा कि उत्सर्जन के स्त्रोतों में से किसी एक को अधिक हानिकारक बताने या ग्रीनहाउस गैसों के स्त्रोत होने पर भी उसे 'ग्रीन और टिकाऊ' स्तर का घोषित करने के लिए अभी तक हमारे पास उपलब्ध सर्वोत्तम विज्ञान में कोई आधार नहीं है। इस बात पर गहरा खेद व्यक्त करते हुए कि देश ऊर्जा के उपयोग, आय और उत्सर्जन में भारी असमानताओं के साथ एक असमान दुनिया में रह रहे हैं, भारत ने वार्ताकारों का ध्यान इस ओर आकर्षित किया कि वैश्विक कार्बन बजट का आकार तेजी से सिकुड़ रहा है और इसके समान बंटवारे की आवश्यकता है। भारत ने नवीनतम वैश्विक कार्बन परियोजना रिपोर्ट की पृष्ठभूमि में यह बात कही, जिसमें शुक्रवार को उल्लेख किया गया था कि ग्लोबल वार्मिंग को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने की 50 फीसदी संभावना के लिए शेष कार्बन बजट घट गया है।

भारतीय वार्ताकारों ने मिस्र के कॉप-27 अध्यक्ष को बताया कि पेरिस समझौते के तहत सामान्य लेकिन अलग-अलग जिम्मेदारियों, हिस्सेदारी और राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित जलवायु प्रतिबद्धताओं के बुनियादी सिद्धांत हैं। इन सिद्धांतों को इस सम्मेलन के मूल बिंदुओं से जुड़े विषय को लेकर किए गए निर्णय में दृढ़ता से जोर देने की आवश्यकता है। मूल बिंदुओं के निर्णय को लेकर वार्ता शनिवार को शुरू हुई जिसमें देशों ने प्रस्ताव दिया कि वे अंतिम सौदे में क्या शामिल करना चाहते हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले साल ग्लासगो में संयुक्त राष्ट्र जलवायु शिखर सम्मेलन (काप-26) में वार्ता कोयले के निरंतर उपयोग को चरणबद्ध तरीके से खत्म करने के बजाय चरणबद्ध तरीके से कम करने के समझौते के साथ समाप्त हुई थी।

बाइडन की सीनेट पर पकड़ फिर हुई मजबूत

-सीनेट पर डेमोक्रेट्स का दो साल बना रहेगा कब्जा

वाशिंगटन (ईएमएस)। हाल ही में अमेरिका में हुए मध्यावधि चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी को मिली जीत से पार्टी का सीनेट पर दो साल के लिए कब्जा हो गया है। इससे राष्ट्रपति जो बाइडन की सीनेट पर पकड़ फिर मजबूत हो गई है। मध्यावधि चुनाव के बाद डेमोक्रेट्स के पास अब रिपब्लिकन की 49 सीटों के मुकाबले 50 सीनेट सीटें हो गई हैं।

इस चुनावी नतीजों के बाद डोनाल्ड ट्रंप और उनकी पार्टी को बड़ा झटका लगा है, क्योंकि वे अब सीनेट में अगले दो साल तक बहुमत नहीं पा सकेंगे। डेमोक्रेट्स को सीनेट में बहुमत पाने के लिए अब सिर्फ एक और सीट जीतने की जरूरत है। नेवादा और एरिजोना जैसे दो राज्यों में जीत ने जो बाइडन के लिए सदन में दो और साल को पक्का कर दिया है। व्हाइट हाउस में अपने पहले कार्यकाल के शेष दो वर्षों में राष्ट्रपति बाइडन के लिए सीनेट नियंत्रण बनाए रखना एक बहुत बड़ी जीत की तरह हैं।इन दो सीटों पर जीत के साथ ही जो बाइडन के हाथ और मजबूत हो गए हैं। इसका मतलब है कि डेमोक्रेट्स सीनेट में सदन द्वारा पारित बिलों को अस्वीकार कर सकेगी और बाइडन अपना एजेंडा सेट कर पाएंगे। इस बीच, रिपब्लिकन हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव में बहुमत के करीब पहुंच रहे हैं।

रिपब्लिकन के इस सदन में 211 सीटें हो गई है और वह धीरे-धीरे बहुमत के आंकड़े 218 सीटों के करीब पहुंच रहे हैं, जबकि डेमोक्रेट की 203 सीटें हैं। पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन से पहले कंबोडिया में पत्रकारों से बात करते हुए, बाइडन ने कहा कि उनका ध्यान जॉर्जिया सीनेट के चुनाव पर था। नेवादा और एरिजोना में जीत के बाद अब डेमोक्रेट्स को जॉर्जिया में 6 दिसंबर को होने वाले चुनाव में जीत की दरकार है। इस जीत से बाइडन को सीनेट में साफ बहुमत हासिल हो सकेगा। डेमोक्रेटिक सेन राफेल वार्नोक और रिपब्लिकन चैलेंजर हर्शल वॉकर के बीच जॉर्जिया में कड़ा मुकाबला होगा।

बता दें कि सीनेट में कुल 100 सीटें है और बहुमत के लिए 51 सीटें चाहिए होती हैं। भले ही रिपब्लिकन जॉर्जिया जीत जाते हैं, लेकिन उपराष्ट्रपति कमला हैरिस डेमोक्रेट्स को बहुमत की गारंटी के लिए समान रूप से विभाजित सीनेट में टाई-ब्रेकिंग वोट डाल सकती हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने जीत के बाद कहा कि वह अमेरिकी चुनाव में मतदान से काफी खुश हैं और कहा कि रिपब्लिकन पार्टी को अब यह तय करने की आवश्यकता होगी कि वे क्या कर रहे हैं और क्यों सदन में हैं।

अमेरिकी मध्यावधि चुनाव में पाक मूल के मुस्लिमों ने रचा इतिहास, सबसे ज्यादा हासिल की सीटें

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका में हुए मध्यावधि चुनाव में पाकिस्तान मूल के मुस्लिमों समुदाय के लोगें ने इतिहास रच दिया है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार मध्यावधि चुनाव में 82 मुस्लिमों प्रत्याशियों ने जीत दर्ज की है। न्यू ब्रंसविक में शिक्षा बोर्ड के लिए चुनी गई 21 साल की अलीशा खान ने कहा कि मुझे पता है कि हमारी पीढ़ी को क्या चाहिए। इस चुनाव में चुने गए लोगों में उनकी उम्र सबसे कम है।

अलीशा मूल रूप से पाकिस्तान की रहने वाली हैं। उसके माता-पिता कराची से न्यू जर्सी चले गए थे। पाकिस्तानी-अमेरिकी कॉर्पोरेट वकील और राजनीतिज्ञ सलमानी भोजानी और सुलेमान ललानी को भी टेक्सास विधानमंडल के लिए चुना गया है। उनकी जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि टेक्सास विधानमंडल में मुसलमानों का हमेशा खुले दिल से स्वागत नहीं किया जाता रहा है। 2007 में, राज्य के तत्कालीन सीनेटर डैन पैट्रिक ने मुस्लिम मौलवी द्वारा टेक्सास सीनेट की पहली प्रार्थना का बहिष्कार किया था। पैट्रिक अब लेफ्टिनेंट गवर्नर के रूप में सीनेट की अध्यक्षता करते हैं।

मध्यावधि चुनाव में संघीय, राज्य, स्थानीय और न्यायिक कार्यालयों के लिए 82 मुस्लिमों को चुना गया है, इसमें बड़ी संख्या में पाकिस्तानी हैं।

एक पाकिस्तानी बेवसाइट के हवाले से कहा गया कि इस वर्ष रिकॉर्ड संख्या में एशियाई अमेरिकी चुने गए हैं, जिसमें भारतीय और पाकिस्तानी मूल के लोग शामिल हैं। इनमें मिशिगन से अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के लिए चुने गए पहले भारतीय-अमेरिकी थानेदार और मैरीलैंड के लेफ्टिनेंट गवर्नर के रूप में चुने गए पहले अप्रवासी और पहले एशियाई-अमेरिकी अरुणा मिलर शामिल हैं। फिर से चुने गए लोगों में डेलावेयर राज्य के प्रतिनिधि मदीना विल्सन-एंटोन, कोलोराडो राज्य के प्रतिनिधि इमान जोदेह और कोलोराडो राज्य के सीनेटर पाकिस्तानी अमेरिकी सऊद अनवर शामिल हैं। जॉजिया में भी मौजूदा सीनेटर शेख रहमान के अलावा दो मुस्लिम महिलाओं ने जीत दर्ज की है।

नबीलाह इस्लाम राज्य के सीनेटर बनेंगे और रूवा रोमन प्रतिनिधि सभा में राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे। इंडियाना के एक निर्वाचन क्षेत्र में, मुस्लिम डेमोक्रेट आंद्रे कार्सन ने रिकॉर्ड 7वीं बार कांग्रेस के लिए निर्वाचित होकर इतिहास रच दिया। मिशिगन में डेमोक्रेट राशिदा तलीब तीसरी बार निर्वाचित हुई हैं। एक अन्य मुस्लिम डेमोक्रेट, इल्हान उमर, मिनेसोटा से तीसरी बार फिर से चुने गए। कीथ एलिसन मिनेसोटा के अटॉर्नी जनरल के रूप में फिर से चुने गए।

कार्गो अंतरिक्ष यान 'तियानजू' का सफल प्रक्षेपण

बीजिंग (ईएमएस)। तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन को आपूर्ति भेजने के लिए चीन ने कार्गो अंतरिक्ष यान 'तियानजू' का सफल प्रक्षेपण किया।इस साल तक तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन का निर्माण पूरा होने की उम्मीद है। मानव मिशन से संबंधित चीन की एजेंसी 'सीएमएसए' ने बताया कि दक्षिणी हैनान प्रांत में वेंचचांग अंतरिक्ष प्रक्षेपण स्थल से 'तियानजू-5' को लेकर सुबह रवाना हुआ 'लांग मार्च-7 वाई6' रॉकेट सफलतापूर्वक निर्धारित कक्षा में पहुंच गया।

जानकारी के अनुसार एजेंसी ने इसे पूरी तरह सफल प्रक्षेपण बताया है। इससे पहले, 31 अक्टूबर को चीन ने अपने तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन के निर्माण को अंतिम चरण में ले जाने के लिए 'मेंगटियन मॉडयूल' नामक दूसरी प्रयोगशाला की शुरुआत की थी। चीन अंतरिक्ष विज्ञान एवं तकनीक (सीएएसटीसी) ने पहले घोषणा की थी कि निम्न-कक्षा के लिए अंतरिक्ष स्टेशन का निर्माण इस वर्ष पूरा होने की उम्मीद है।

तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन के निर्माण को पूरा करने के लिए तीन अंतरिक्ष यात्रियों के दो समूहों को छह महीने के मिशन पर इसके 'तियान्हे' नामक मुख्य मॉडयूल में भेजा गया था। एक ओर, अंतरिक्ष यात्रियों का एक समूह वापस आ गया है, तो दूसरी ओर तीन अंतरिक्ष यात्रियों का एक और समूह फिलहाल इसके निर्मनिर्माण के बाद चीन एकमात्र ऐसा देश होगा जिसके पास पूरी तरह से एक अंतरिक्ष स्टेशन होगा और वह नासा के नेतृत्व वाले अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (एसएसएस) का प्रतिस्पर्धी होगा।

स्पेन में एक गांव की कीमत महज 2 करोड़

स्पेन (ईएमएस)। स्पेन में 40 से अधिक घरों वाला एक स्पेनिश गांव 2 करोड़ रुपये की आश्चर्यजनक कीमत पर बिक्री के लिए उपलब्ध है। यह गांव स्पेन और पुर्तगाल की सीमा पर स्थित है। यह मैड्रिड से लगभग 3 घंटे की ड्राइव पर है। 3 दशक से अधिक समय से वीरान इस गांव की इमारतें जर्जर हो चुकी हैं। सूत्रों के अनुसार गांव में 44 घर, एक होटल, एक चर्च, एक स्कूल, एक म्युनिसिपल स्विमिंग पूल, एक स्पोर्ट्स एरिया और एक पुराना सिविल गार्ड बैरक है। गलिशिया के एक शख्स ने इसे 2000 के दशक की शुरुआत में पर्यटन स्थल में बदलने के इरादे से खरीदा था। 2008 की मंदी ने उन्हें अपनी योजनाओं को ठंडे बस्ते में डालने के लिए मजबूर कर दिया। मालिक का प्रतिनिधित्व करने वाली कंपनी रॉयल इन्वेस्ट के रॉनी रोड्रिग्ज का कहना है ?कि मालिक का यहां एक होटल बनाने का सपना था, लेकिन यह सब रोक दिया गया था। वह अभी भी इस प्रोजेक्ट को सच करना चाहेंगे।

महंगाई के आंकड़े, कपंनियों के तिमाही नतीजे देंगे बाजार को दिशा

- विदेशी संस्थागत निवेशकों के रुख की भी अहम भूमिका रहेगी

मुंबई (ईएमएस)। अमेरिकी फेड रिजर्व के ब्याज दर में बढ़ोतरी के आक्रामक रुख में नरमी आने की उम्मीद में बीते सप्ताह 1.4 प्रतिशत की बढ़त पर रहे शेयर बाजार इस सप्ताह दिशा निर्धारित करने में खुदरा एवं थोक महंगाई के आंकड़े, कपंनियों के तिमाही नतीजे और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के रुख की अहम भूमिका होगी। बाजार विश्लेषकों के अनुसार इस सप्ताह अक्टूबर की उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा महंगाई और थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित महंगाई के आंकड़े जारी होने वाले हैं। इसके साथ ही आखिरी बैच में कंपनियों के चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के नतीजे भी आएंगे। इस सप्ताह इनका असर बाजार पर देखने को मिलेगा। इसी तरह रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास के उस बयान पर भी इस सप्ताह बाजार की प्रतिक्रिया आएगी, जिसमें उन्होंने कहा है कि अक्टूबर में खुदरा महंगाई की दर सात प्रतिशत से कम होगी। साथ ही विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार जारी मजबूत निवेश धारणा की भी बाजार को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका होगी। विदेशी संस्थागत निवेश्कों (एफआईआई) ने नवंबार में अबतक कुल 84,048.44 करोड़ रुपए की लिवाली जबकि कुल 71,558.70 करोड़ रुपए की बिकवाली की है, जिससे उनका निवेश 12,489.74 करोड़ रुपए रहा है। वहीं इस अवधि में घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) की निवेश धारणा कमजोर रही है। उन्होंने बाजार में कुल 50,810.78 करोड़ रुपए का निवेश किया जबकि 56,455.65 करोड़ रुपए निकाल लिए, जिससे वह 5,644.87 करोड़ रुपए के बिकवाल रहे।

भारत-अमेरिका व्यापार 2030 तक 600 अरब डॉलर पहुंचने का अनुमानः गोयल

मुंबई (ईएमएस)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत-अमेरिका के बीच वस्तुओं और सेवाओं का द्विपक्षीय व्यापार वर्ष 2030 तक 500 से 600 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। भारत और अमेरिका के बीच मौजूदा समय में करीब 175 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार होता है। यह पूछे जाने पर कि क्या भारत 14 सदस्यीय भारत-प्रशांत आर्थिक समृद्धि प्रारूप (आईपीईएफ) के व्यापार स्तंभ का हिस्सा बनेगा। गोयल ने कहा कि यह इस पर निर्भर करेगा कि बदले में भारत को क्या मिलेगा। उन्होंने हाली ही में एक समिट के दौरान यह बात कही। आईपीईएफ के तहत 13 सदस्य देश व्यापार, आपूर्ति श्रृंखला, स्वच्छ अर्थव्यवस्था और निष्पक्ष अर्थव्यवस्था जैसे सभी चार विषयों पर एक साथ हैं लेकिन भारत ने अब तक व्यापार स्तंभ से बाहर रहने का विकल्प चुना हुआ है और अन्य तीन विषयों पर वह इस समूह में शामिल है। गोयल ने कहा ?कि भारत और अमेरिका के संबंध लगातार सुधर और मजबूत हो रहे हैं। आज हमारा लगभग 175 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार है। मेरा मानना है कि आने वाले सात-आठ वर्षों में यह 500 से 600 अरब डॉलर का हो जाएगा जबकि हमारा वस्तुओं और सेवाओं का निर्यात दो हजार अरब डॉलर का हो जाएगा।

इमरान ने कहा- अब अमेरिका के साथ संबंध सुधारना चाहते हैं

- इमरान ने अमेरिका पर पाकिस्तान के साथ गुलामों जैसा बर्ताव करने का आरोप भी लगाया

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान का कहना है कि वह अमेरिका के साथ संबंधों को सुधारना चाहते हैं। उन्होंने अप्रैल में अविश्वास प्रस्ताव लाकर सत्ता से हटाए गए इमरान ने पूरे प्रकरण के पीछे विदेशी साजिश को जिम्मेदार ठहराया था। उनका इशारा अमेरिका की ओर था लेकिन अब वह वॉशिंगटन के साथ मिलकर काम करना चाहते हैं। कुछ दिनों पहले जानलेवा हमले में इमरान के पैर में गोली लगी थी। उन्होंने अपने ऊपर हमले के लिए पाक पीएम शहबाज शरीफ समेत तीन लोगों पर आरोप लगाया है।अपने एक साक्षात्कार में इमरान खान ने कहा कि वह अब अमेरिका को 'दोषी' नहीं ठहराते हैं और दोबारा चुने जाने पर सम्मानजनक संबंध चाहते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि पाकिस्तान डिफॉल्ट की कगार पर है और देश के आईएमएफ प्रोग्राम की भी आलोचना की। कई विश्लेषकों का मानना है कि पाकिस्तान में अगले साल होने वाले आम चुनावों में इमरान खान की पार्टी तहरीक-ए-इंसाफ जीत सकती है।

एक साक्षात्कार में जब इमरान से पूछा गया कि वह चुनाव तक इंतजार क्यों नहीं करना चाहते तो उन्होंने कहा कि उन्हें पाकिस्तान की चिंता है जो लगातार नीचे जा रहा है। इमरान ने कहा ?कि मैं जिस पाकिस्तान का नेतृत्व करना चाहता हूं, उसके सभी के साथ अच्छे संबंध होने चाहिए, खासकर अमेरिका के साथ।' उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ हमारे संबंध एक मालिक-नौकर या मालिक और गुलाम के रहे हैं लेकिन इसके लिए मैं अमेरिका से ज्यादा अपनी सरकारों को दोषी ठहराऊंगा। खान ने पाकिस्तान के आईएमएफ प्रोग्राम को भी जमकर कोसा जिसकी शुरुआत 2019 में उनकी सरकार ने की थी। आलोचकों ने इमरान पर अमेरिका, आईएमएफ और अन्य अंतरराष्ट्रीय भागीदारों, जिन पर पाकिस्तान आर्थिक रूप से निर्भर है, के साथ संबंधों को बिगाड़कर देश की अर्थव्यवस्था को खतरे में डालने का आरोप लगाया है। एक जर्मन न्यूज चैनल के साथ साक्षात्कार में इमरान से पूछा गया कि उनके पास क्या सबूत हैं जिनके आधार पर वह शहबाज शरीफ और सेना पर अपने ऊपर जानलेवा हमले का आरोप लगा रहे हैं। जवाब में उन्होंने कहा कि फिलहाल उनके पास सिर्फ परिस्थितिजन्य सबूत हैं।

डलास एयरशो में दो विमान टकराए, 6 लोगों की मौत की आशंका

- कैमरे में कैद हो गई पूरी घटना, वी?डियो वायरल

डलास (ईएमएस)। डलास एयर शो में सेकेंड वर्ल्ड वार के जमाने के दो ऐतिहासिक सैन्य विमानों की आपस में ही टक्कर होने के बाद वे आग के गोलों में बदल गए। इस दुर्घटना के वीडियो हाल ही में सामने आए हैं। कैमरे में कैद हुई इस भीषण दुर्घटना में बोइंग बी-17 फ्लाइंग फोर्ट्रेस और बेल पी-63 किंगकोबरा की टक्कर हो गई। ये पूरी घटना कैमरे में कैद हो गई है, क्योंकि ये विमान एक एयरशो में हिस्सा ले रहे थे। अधिकारियों ने मौतों की पुष्टि नहीं की है लेकिन खबरों के मुताबिक कम से कम 6 लोग इन विमानों पर सवार थे और उन सभी की मौत हो जाने की आशंका है। मीडिया की एक खबर के मुताबिक एयरशो देखने के लिए मौके पर मौजूद लोगों को काफी वक्त तक ये भरोसा नहीं हो सका कि उनकी आंखों के सामने क्या हो गया! हर कोई पूरी तरह सदमे में था। डलास के मेयर एरिक जॉनसन ने कहा कि दुर्घटना के वीडियो दिल दहला देने वाले हैं। राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड ने स्थानीय पुलिस और दमकल विभाग की मदद के साथ दुर्घटनास्थल पर नियंत्रण कर लिया है। वीडियो में ये साफ देखा गया कि दूसरी तरफ से आ रहा किंगकोबरा प्लेन विशालकाय बी-17 से टकरा गया और आग और धुएं का एक बड़ा गोला बन गया।

एयर शो के मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि एक ही समय में वहां कई विमान उड़ रहे थे। किंगकोबरा एक अमेरिकी लड़ाकू विमान है और सेकेंड वर्ल्ड वार के दौरान ज्यादातर सोवियत सेना द्वारा इस्तेमाल किया गया था। बी-17 एक चार इंजन वाला बमवर्षक है, जिसका इस्तेमाल द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जर्मनी के खिलाफ हमलों में किया गया था। ?विशेषज्ञ के मुताबिक अब किसी भी बी-17 विमान का उड़ान की स्थिति में होना दुर्लभ है। अधिकांश बी-17 को सेकेंड वर्ल्ड वार के बाद हटा कर दिया गया था। इसे केवल संग्रहालयों और एयर शो में देखा जा सकता है।

रूसी कब्जे से आजाद हुआ खेरसान शहर

- बिजली, पानी और इंटरनेट नहीं. लेकिन शहर में है उल्लासपूर्ण माहौल

खेरसॉन (ईएमएस)। पिछले 8 महीने से यूक्रेन के खेरसॉन शहर के लोग रूस के कब्जे में रह रहे थे लेकिन हाल ही में यूक्रेनी सेना शहर में घुस गई और रूसी सैनिक पूरब की ओर पीछे हट गए। खेरसॉन के हालात इस समय बहुत खराब हैं। शहर के लोगों को बिजली, पानी और इंटरनेट कनेक्शन की सुविधा नहीं है लेकिन इसके बावजूद पूरे शहर में उल्लासपूर्ण माहौल है। लोगों का कहना है कि अब वे आजाद महसूस कर रहे हैं। रूस ने खेरसॉन से हटने और रणनीतिक दक्षिणी क्षेत्र में निप्रो नदी के पश्चिमी तट से वापसी का फैसला लिया। उसने शहर और आसपास के इलाकों को यूक्रेन की सेना के लिए छोड़ दिया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यूक्रेनी झंडे लगाने के लिए स्थानीय लोग सिनेमा घरों और दूसरी इमारतों की छतों पर चढ़ गए। शहर में जहां से भी यूक्रेन के सैनिक गुजर रहे हैं, वहां रहने वाले उनका जयकारों से स्वागत करते हैं। सैनिकों से झंडों पर ऑटोग्राफ देने को कहा जाता है। यूक्रेनी स्पेशल फोर्स के एक सैनिक ने कहा ?कि उसकी इकाई खेरसॉन में सबसे पहले पहुंची थी। उसने कहा कि खेरसॉन में रूसी कब्जे में इतने लंबे समय तक रहने वाले शहर के लोग असली नायक हैं। इसकी कल्पना नहीं की जा सकती कि वे अभी कितने खुश हैं।

गौरतलब है कि फरवरी के हमले के बाद से खेरसॉन एकमात्र यूक्रेनी क्षेत्रीय राजधानी थी, जिस पर रूसी सेना ने कब्जा कर लिया था। यूक्रेनी अधिकारी शहर में सामान्य जीवन की बहाली के लिए काम कर रहे हैं। क्षेत्रीय सैन्य प्रशासन के प्रमुख यारोस्लाव यानुशेविच ने एक वीडियो संदेश में कहा कि सेना बारूदी सुरंगों को को साफ कर रही है। शहर में सामान्य जीवन की बहाली के लिए काम चल रहा है। एक बयान में कहा गया कि लगभग 200 पुलिस अधिकारी इस समय शहर में काम कर रहे हैं। सबसे बड़ा खतरा बारूदी सुरंगों से है। पुलिस ने खेरसॉन छोड़ने वाले निवासियों को सलाह दी है कि वे वापस लौटने में जल्दबाजी न करें।

विदेशी निवेशकों ने नवंबर में बाजार में 19,000 करोड़ का निवेश किया

- सितंबर में विदेशी निवेशकों ने 7,624 करोड़ और अक्टूबर में आठ करोड़ की निकासी की थी

नई दिल्ली (ईएमएस)। विदेश निवेशकों ने भारतीय इक्विटी बाजारों में नवंबर महीने में अब तक करीब 19,000 करोड़ रुपए निवेश ?किए हैं जिसके पीछे अमेरिका में मुद्रास्फीति नरम पड़ने और डॉलर की मजबूती कम होने का हाथ रहा है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों से पता चलता है कि नवंबर में विदेशी निवेशकों के अनुकूल रुख रहने के पहले लगातार दो महीनों तक निकासी का दौर देखा गया था। सितंबर में विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजारों से 7,624 करोड़ रुपए और अक्टूबर में आठ करोड़ रुपए की निकासी की थी। उसके पहले अगस्त में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने 51,200 करोड़ रुपए और जुलाई में करीब 5,000 करोड़ रुपए की खरीदारी की थी। हालांकि उसके पहले अक्टूबर 2021 से लेकर जून 2022 के दौरान लगातार नौ महीनों तक विदेशी निवेशक बिकवाल बने हुए थे। बाजार ?विशेषज्ञों का मानना है कि एफपीआई आने वाले दिनों में भी खरीदारी का सिलसिला जारी रख सकते हैं।

उन्होंने कहा कि अमेरिका में मुद्रास्फीति के आंकड़ों में नरमी का रुख रहने और डॉलर एवं बॉन्ड प्रतिफल घटने से विदेशी निवेशक भारतीय बाजारों के प्रति दिलचस्पी दिखा सकते हैं। आंकड़े बताते हैं कि विदेशी निवेशकों ने एक नवंबर से लेकर 11 नवंबर के दौरान कुल 18,979 करोड़ रुपए का निवेश भारतीय इक्विटी बाजारों में किया है। वर्ष 2022 में अब तक विदेशी निवेशकों की भारतीय बाजार से निकासी 1.5 लाख करोड़ रुपए रही है। उन्होंने विदेशी निवेशकों के मौजूदा रुख के लिए मुद्रास्फीति में नरमी, वैश्विक बॉन्ड प्रतिफल कम होने और डॉलर की मजबूती दर्शाने वाले डॉलर सूचकांक में गिरावट को जिम्मेदार बताया। बाजार ?विशेषज्ञ का कहना है ?कि हाल के दिनों में इक्विटी बाजारों के तेजी पकड़ने से विदेशी निवेशकों ने भी संभावित रिटर्न की उम्मीद में इसका हिस्सा बनना पसंद किया है। हालांकि विदेशी निवेशकों ने नवंबर में अब तक भारतीय ऋण बाजार से 2,784 करोड़ रुपए की निकासी भी की है।

मिस्त्र के एक शहर के नीचे खोजी 4,800 फुट लंबी सुरंग

-मिस्त्र की रानी क्लियोपैट्रा की कब्र अब मिलेगी?

काहिरा (ईएमएस)। मिस्त्र की रानी क्लियोपैट्रा को लेकर एक चौकाने वाली जानकारी प्रकाश में आई है। मिस्त्र के एक प्राचीन शहर के नीचे से 4,800 फुट लंबी सुरंग की खोज पुरातत्वविदों ने की है। पुरातत्वविदों का कहना है कि यह विशाल सुरंग मिस्त्र की अंतिम फराओ क्लियोपैट्रा के मकबरे तक जाने का रास्ता हो सकती है।

इस मकबरे की लंबे समय से खोज विश4षज्ञ कर रहे हैं। तापोसरिस माग्ना शहर को फराओ पटोलेमय द्वितीय ने 280 से 270 ईसापूर्व के बीच बसाया था। यह वर्तमान समय में अलेजेंडरिया इलाके में स्थित है। भूतकाल में यह इलाका 332 ईसापूर्व में सिकंदर के मिस्त्र पर फतह के बाद महान सांस्कृतिक और धार्मिक केंद्र बन गया था। पुरातत्वविद कैथलीन मार्टिनेज का मानना है कि 1 प्रतिशत चांस है कि यहां पर क्लियोपैट्रा और मार्क एंटनी को यहां दफनाया गया हो सकता है।कैथलीन ने कहा कि यह सुरंग मकबरे तक ले जा सकती है। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा होता है तो यह 21वीं सदी की सबसे महत्वपूर्ण खोज हो सकती है। उन्होंने कहा कि मार्क एंटनी के आत्महत्या के बाद क्लियोपैट्रा ने भी वहीं पर दफन होने की योजना बनाई थी।

कैथलीन ने कहा, 'क्लियोपैट्रा ने ओक्टावियान से मनवाया था कि उन्हें भी मार्क के पास मिस्त्र में दफन किया जाए। क्लियोपैट्रा इसलिए दफनाई जाना चाहती थीं क्योंकि प्राचीन देवताओं आइसिस और ओसिरिस के साथ फिर से जुड़ना चाहती थीं।पुरातत्वविद ने बताया कि ओसिरिस देवता के बारे में माना जाता है कि वह अमरता देते हैं। उन्होंने कहा, 'क्लियोपैट्रा का मानना था कि मौत के बाद देवता उन्हें एंटनी के साथ रहने की अनुमति देंगे और वे फिर से एक साथ जुड़ सकेंगे।' मिस्त्र में प्राचीन काल में कई सुरंग आए थे जिसकी वजह से मंदिर का एक हिस्सा डूब गया।जांच से पता चला है कि यह सुरंग 2000 साल पुरानी है और उसे मिस्त्र के प्राचीन शहर तापोसरिस माग्ना के नीचे खोजा गया है।

यह शहर मिस्त्र के उत्तरी तट पर स्थित है और पत्थरों को काटकर इस 4,281 फुट लंबी सुरंग को बनाया गया था। इसे मिस्त्र के डोमिनिकन पुरातात्विक मिशन ने खोजा है।मिस्त्र के पर्यटन मंत्रालय ने खुलासा किया है कि यह नई खोजी गई सुरंग 6.5 फुट ऊंची है और 43 फुट तक अंडरग्राउंड है। इस सुरंग के डिजाइन को देखकर उसे इंजीनियरिंग का एक चमत्कार बताया जा रहा है। सुरंग से पुरातत्वविदों को कई सिरामिक जार और अन्य प्राचीन वस्तुएं मिली हैं।

जो ज्यादा खबरें पढते हैं, वहीं करते है कोविड वैक्सीन पर संदेह

-ताजा शोध में मिली यह जानकारी

लंदन (ईएमएस)। जो लोग सोशल मीडिया पर बहुत सारी खबरें देखते या पढ़ते हैं, उनके कोविड-19 टीकों पर संदेह करने की संभावना अधिक होती है। ऐसे ही लोग टीकाकरण कराने में भी संकोच करते हैं। यह जानकारी एक ताजा शोध में मिली है। शोध में पाया कि उच्च स्तर की समाचार साक्षरता वाले सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं को कोविड-19 शॉट्स में अधिक विश्वास है।

अन्य शोधों में पाया गया है कि सोशल मीडिया पर भारी निर्भरता ने व्यक्तियों को कोविड-19 के बारे में गलत सूचनाएं दी, विशेष रूप से टीकों की प्रभावकारिता के बारे में।2020 में महामारी के दौरान, हमने मापा कि एक सुरक्षित और प्रभावी कोविड-19 वैक्सीन के विकास के बारे में सोशल मीडिया उपयोगकर्ता कितने संशय में थे और यदि यह उपलब्ध होता तो उनके वैक्सीन लगवाने की कितनी संभावना होती। हमने नौ प्रश्न पूछकर प्रतिभागियों की समाचार साक्षरता का भी आकलन किया, जिससे यह पता चला कि पत्रकारिता कैसे काम करती है, इसके बारे में वे कितना जानते हैं - उदाहरण के लिए, यह पहचानना कि किन प्रकाशनो ने समेकित समाचारों के विपरीत अपनी रिपोर्टिंग की, और कौन से प्रकाशन लाभ के लिए थे।आप मीडिया साक्षरता के अपने स्तर का परीक्षण करने के लिए प्रश्नोत्तरी में भाग ले सकते हैं। हमारे अध्ययन में, समाचार साक्षरता के निम्न स्तर वाले प्रतिभागियों ने, जिन्होंने औसतन नौ प्रश्नों में से केवल तीन का सही उत्तरदिया, मध्यम (चार से छह सही उत्तर) या उच्च (सात या अधिक सही उत्तर) स्तर वाले लोगों की तुलना में वैक्सीन लेने के प्रति अधिक हिचकिचाहट दिखाई।

हमारा अनुमान है कि कोविड-19 टीकों की प्रभावकारिता के बारे में सोशल मीडिया के माध्यम से फैलने वाले गलत और दुष्प्रचार लोगों में वैक्सीन लेने की झिझक पैदा करता है, खासकर उन लोगों के बीच जो झूठी और वास्तविक खबरों के बीच फर्क करने के बारे में कम जानकार हैं। हमारा निष्कर्ष अन्य शोधकर्ताओं के निष्कर्ष के साथ फिट बैठता है कि मीडिया साक्षरता बढ़ाना गलत सूचना के खिलाफ एक प्रभावी हस्तक्षेप है। यह क्यों मायने रखती है महामारी के दौरान, लोगों ने मनोरंजन, तनाव कम करने और कोरोनावायरस से संबंधित समाचारों के लिए सोशल मीडिया पर बहुत अधिक भरोसा किया। उदाहरण के लिए, प्यू रिसर्च सेंटर की 2021 की रिपोर्ट में पाया गया कि लगभग आधे अमेरिकियों ने कोविड-19 के बारे में खबरों के लिए सोशल मीडिया पर भरोसा किया।नतीजतन, सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं को कोरोनावायरस के बारे में गलत सूचना का सामना करना पड़ा, साथ ही साथ कोविड-19 से संबंधित वैज्ञानिकों और सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थानों में संदेह बढ़ रहा था।

सोशल मीडिया पर स्वास्थ्य संबंधी गलत सूचना लोगों को टीके जैसे सार्वजनिक स्वास्थ्य हस्तक्षेपों के बारे में गलत धारणाओं को विकसित करने में मदद कर सकती है। अमेरिका में टीकों की व्यापक उपलब्धता के बावजूद, केवल 49 प्रतिशत आबादी ने प्राथमिक कोविड-19 श्रृंखला पूरी की थी और 19 अक्टूबर, 2022 तक बूस्टर शॉट प्राप्त किया था।रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्रों द्वारा मार्च 2022 के एक अध्ययन के अनुसार जिन लोगों का टीकाकरण नहीं हुआ था, उनके अस्पताल में भर्ती होने की संभावना उन लोगों की तुलना में 12 गुना अधिक थी, जिन्हें टीका लगाया गया था। टीकाकरण कोविड-19 के हानिकारक प्रभावों को कम करने में मदद करता है। जो भी वैक्सीन के प्रति विश्वास को कम करता है वह सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए मायने रखता है।

अन्य शोध एक अन्य महत्वपूर्ण कार्य यह पता लगाना है कि कौन लोग कोविड-19 के बारे में गलत सूचना के प्रति अतिसंवेदनशील हो सकते हैं।उदाहरण के लिए, 2020 के एक अध्ययन में पाया गया कि सोशल मीडिया के भारी उपयोगकर्ता जो राजनीतिक रूप से रूढ़िवादी भी हैं, उन लोगों की तुलना में कोविड-19 से संबंधित गलत सूचनाओं के लिए अतिसंवेदनशील होने की अधिक संभावना रखते हैं जो रूढ़िवादी नहीं हैं।

प्लास्टिक की बेकार बोतलों से बने कपड़े की वर्दी पहनेंगे आईओसी कर्मचारी

- कंपनी ने एक समारोह में विशेष रूप से डिज़ाइन हरी वर्दी का शुभारंभ किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्लास्टिक के बेकार बोतलों के कचड़े से पॉलिएस्टर का कपड़ा बनाए जाने की शुरूआत हुई है। इसी कपड़े से वर्दी बनाई जा रही है। ?जिसे देश की महारत्न कंपनी इंडियन ऑयल के पेट्रोल पंप पर काम करने वाले और इंडेन गैस के डिस्ट्रीब्यूटरों के यहां एलपीजी सिलेंडर डिलीवरी करने वाले कर्मचारी पहनेंगे। केंद्रीय सरकार की महारत्न कंपनी इंडियन ऑयल (आईओसी) के अध्यक्ष एसएम वैद्य ने इस अभियान की शुरूआत की है। कंपनी ने अनबॉटल्ड - टुवर्ड्स ए ग्रीनर फ्यूचर नामक एक समारोह में इस विशेष रूप से डिज़ाइन की गई एक विशेष टिकाऊ और हरी वर्दी का शुभारंभ किया। इसे कंपनी के करीब तीन लाख फ्यूल स्टेशन अटेंडेंट और इंडेन एलपीजी गैस डिलीवरी कर्मियों के लिए बनाया गया है। इंडियन ऑयल से मिली सूचना के मुताबिक इन यूनिफॉर्म के लिए ड्रेस मटेरियल इस्तेमाल किए गए और फेंके गए पीईटी बोतलों से बनाए गए हैं। इन बोतलों को प्रोसेस कर पुनर्नवीनीकरण पॉलिएस्टर निकाला गया। उसी पॉलिएस्टर धागे से ये कपड़े बुने गए। अब इसी कपड़ों से इंडियन ऑयल के पेट्रोल पंपों और इंडेन गैस स्टेशनों के करीब 3 लाख फ्यूल स्टेशन अटेंडेंट और इंडेन एलपीजी गैस डिलीवरी कर्मियों के लिए वर्दी बनाई गई है।

आईओसी के अध्यक्ष वैद्य का कहना है कि इस पहल से लगभग 405 टन पीईटी बोतलों की रिसाइकिलिंग हो सकेगी। यह सालाना 20 मिलियन से अधिक बोतलों की भरपाई के बराबर है। हर साल करीब आठ मिलियन टन प्लास्टिक कचरा समुद्र में चला जाता है। इससे हमारे समुद्री इकोसिस्टम में करीब 150 मिलियन टन का प्रसार होता है। यदि प्लास्टिक कचरे के बढ़ने की यही गति बरकरार रही तो सन 2050 तक, समुद्र में मछली से ज्यादा प्लास्टिक होगा। प्लास्टिक की बोतलों को कपड़े में बदलना इस बात का एक सुंदर उदाहरण है कि कैसे समस्याओं का परिश्रम से निपटने से नए अवसरों के द्वार खुलते हैं। इंडियन ऑयल के इस अभियान को बॉलीवुड अभिनेत्री एवं पर्यावरण कार्यकर्ता भूमि पेंडेकर जुड़ी हैं। उन्होंने इस विशेष यूनिफार्म के लॉन्च कार्यक्रम में शिरकत भी की। इस अवसर पर उन्होंने कहा ?कि हममें से प्रत्येक जीवन के तरीके के रूप में स्थिरता को अपनाकर महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। देश के नागरिक के रूप में, मुझे गर्व है कि देश की अग्रणी ऊर्जा कंपनी इस तरह के अद्वितीय पर्यावरण प्रयास का कार्य कर रही है। इंडियन ऑयल को मेरा धन्यवाद और बधाई।

गुजरात में पुरानी पेंशन योजना की बहाली की मांग बना प्रमुख चुनावी मुद्दा

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात विधानसभा चुनाव में पुरानी पेंशन योजना की बहाली की मांग एक प्रमुख चुनावी मुद्दा बनकर उभरी है। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) दोनों ने अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनाव के बाद राज्य में सत्ता में आने पर इसे लागू करने का वादा किया है। विपक्षी दल इस वादे के साथ उन लाखों सरकारी कर्मचारियों का समर्थन हासिल करना चाहते हैं, जो नई पेंशन योजना को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के खिलाफ हैं। गुजरात की 182 सदस्यीय विधानसभा के लिए दो चरणों में, एक और पांच दिसंबर को मतदान होना है।

गुजरात सरकार ने एक अप्रैल, 2005 को या उसके बाद नौकरी शुरू करने वाले कर्मचारियों के लिए नई अंशदायी पेंशन योजना शुरू की थी। इसकी अधिसूचना के अनुसार, यह एनपीएस फंड में कर्मचारियों द्वारा योगदान किए गए मूल वेतन और महंगाई भत्ते (डीए) के 10 प्रतिशत के बराबर होगी।

केंद्र की योजना के तहत, सरकार 1 अप्रैल, 2019 से कर्मचारी के वेतन और डीए के 10 प्रतिशत योगदान के मुकाबले 14 प्रतिशत का योगदान देती है। गुजरात में कर्मचारियों के विरोध के बाद, राज्य सरकार ने कहा था कि नई पेंशन उन कर्मचारियों पर लागू नहीं होगी, जिन्होंने अप्रैल 2005 से पहले नौकरी शुरू की थी। सरकार ने फंड में अपने योगदान को 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 14 प्रतिशत करने का भी वादा किया था।

गुजरात में कर्मचारियों ने पुरानी पेंशन योजना की बहाली की मांग करते हुए सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर आंदोलन किया है, क्योंकि उनका मानना है कि नई पेंशन योजना सेवानिवृत्त कर्मचारियों के हित में नहीं है।

कांग्रेस और आम आदमी पार्टी दोनों ने आंदोलन कर रहे कर्मचारियों को आश्वासन दिया है कि नई पेंशन योजना (एनपीएस) को खत्म कर दिया जाएगा और पुरानी पेंशन योजना बहाल की जाएगी। उन्होंने अपनी बात समझाने के लिए राजस्थान, छत्तीसगढ़ (जहां कांग्रेस सत्ता में है) और (आप द्वारा शासित) पंजाब का उदाहरण दिया है।

सरकारी प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों की संस्था अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के कार्यकारी अध्यक्ष दिग्विजयसिंह जडेजा ने बताया, ''हमने 15 मांगों के साथ एक आंदोलन शुरू किया, जिनमें से पुरानी पेंशन योजना की बहाली और निश्चित वेतन मुद्दे से संबंधित मांगों को स्वीकार नहीं किया गया। सरकार ने एक समिति का गठन किया। उसने कहा कि वह एनपीएस फंड में अपना योगदान बढ़ाएगी, लेकिन कोई अधिसूचना जारी नहीं की गई।''

लगभग सात लाख सरकारी कर्मचारी पुरानी पेंशन योजना की बहाली के लिए दबाव बना रहे हैं, जिनमें वे 70,000 प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक शामिल हैं, जिन्होंने 2005 से पहले एक निश्चित वेतन पर नौकरी शुरू की थी। गुजरात में पुरानी पेंशन की बहाली कांग्रेस के चुनावी घोषणापत्र का हिस्सा है।

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा था कि जो लोग यह दावा कर रहे हैं कि पुरानी पेंशन योजना सरकारी खजाने पर बोझ डालेगी, वे सही नहीं कह रहे हैं क्योंकि वित्तीय प्रबंधन के जरिए इसे बहाल किया जा सकता है।

आणंद-बागोदरा हाईवे पर ट्रक-कार के बीच दुर्घटना में तीन लोगों की मौत

अहमदाबाद (ईएमएस) आणंद-बागोदरा हाईवे पर वाहन दुर्घटना में कार में सवार तीन लोगों की मौत हो गई घटनास्थल पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की जांच शुरू की हैं जानकारी के मुताबिक आणंद-बागोदरा हाईवे पर धर्मज तारापुर की सीमा में एक फार्मा कंपनी के निकट ईको कार आगे चल रहे कंटेनर के पीछे घुस गई चालक के स्टेयरिंग पर से नियंत्रण गंवाने की वजह से यह दुर्घटना हुई इस हादसे में कार में सवार तीन लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई दुर्घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए और पुलिस व एम्ब्युलैंस 108 को घटना की जानकारी दी घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की जांच शुरू की हैं

गुजरात चुनाव के लिए कांग्रेस की पांचवी सूची जारी, 6 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात चुनाव को लेकर राज्य में राजनीतिक गहमा गहमी तेज हो गई हैं विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने आज उम्मीदवारों की पांचवीं सूची जारी की हैं जिसमें 6 उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की हैं कांग्रेस की पांचवी सूची के मुताबिक धांगध्रा से छत्तरसिंह गुंजारिया, मोरबी से जयंती जेरामभाई पटेल, राजकोट पश्चिम से मनसुख जादवभाई कालरिया, जामनगर ग्रामीण से जीवन कुंभारवाडिया, गारियाधार से दिव्येश मनुभाई चावडा और बोटाद विधानसभा सीट से रमेश मेर के स्थान पर मनहर पटेल को टिकट दिया हैं बता दें कि मोरबी से कांग्रेस ने जयंती जेराम पटेल को उम्मीदवार घोषित किया हैं जयंती जेराम पटेल 6 दफा कांग्रेस के टिकट पर चुनाव हार चुके हैं वहीं गारियाधार सीट से दिव्येश चावड़ा को टिकट दिया है जो मनुभाई चावड़ा को टिकट दिया हैं मनुभाई चावडा ने हाल ही में कांग्रेस जॉइन की हैं कांग्रेस ने पहली सूची में 43, दूसरी सूची में 46, तीसरी सूची में 7, चौथी सूची में 9 और आज पांचवी सूची में 6 समेत अब तक कुल 111 उम्मीदवारों का ऐलान कर चुकी हैं राज्य विधानसभा की कुल 182 सीटों में से कांग्रेस अब तक 111 उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है और दूसरे चरण के चुनाव लिए 71 प्रत्याशियों का ऐलान करना बाकी हैं कांग्रेस ने पहले चरण के चुनाव के लिए सभी 89 उम्मीदवारों की घोषणा कर दी हैं वहीं भाजपा ने 166 उम्मीदवारों को मैदान में उतार दिया है और 16 प्रत्याशियों की घोषणा करना शेष हैं

खोडलधाम के चेयरमैन नरेश पटेल ने कहा- वह किसी भी पार्टी के लिए प्रचार नहीं करेंगे

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात विधानसभा चुनाव के आडे गिनती के दिन रह गए हैं और सियासी हलचल तेज हो गई हैं इस बीच खोडलधाम के चेयरमैन नरेश पटेल का बड़ा बयान सामने आया हैं नरेश पटेल ने स्पष्ट कर दिया है कि वह चुनाव में किसी भी राजनीतिक दल के लिए प्रचार नहीं करेंगे उनका कहना है कि भाजपा, कांग्रेस और आप के सभी उम्मीदवार मेरे लिए एक समान हैं मैं प्रत्येक राजनीतिक दल के राष्ट्रीय प्रमुखों से मिलता रहता हूं, इसलिए मैं किसी भी उम्मीदवार का प्रचार करने नहीं जाऊंगा राजकोट दक्षिण सीट पर तीनों उम्मीदवार लेउवा पाटीदार समाज के हैं अब यह लोगों को तय करना है कि वह एक अच्छे उम्मीदवार को वोट दें रमेश टिलाला को लेकर भी नरेश पटेल ने स्पष्ट कर दिया कि वह रमेश टिलाला के लिए भी प्रचार नहीं करेंगे आगामी दिनों में खोडलधाम से इस्तीफा देने का रमेश टिलाला कह चुके हैं फिलहाल चुनाव प्रचार की व्यस्तता के कारण रमेश टिलाला ने खोडलधाम ट्रस्ट से इस्तीफा नहीं दिया हैं नरेश पटेल ने बताया कि ट्रस्ट के नियमों के मुताबिक अगर कोई चुनाव लड़ता है तो उसे ट्रस्टी पद से इस्तीफा देना अनिवार्य हैं दक्षिण विधानसभा सीट से आप प्रत्याशी शिवलाल बारसिया पहले खोडलधाम के ट्रस्टी पद से अपना इस्तीफा दे चुके हैं बता दें कि रमेश टिलाला भाजपा के उम्मीदवार हैं भाजपा ने रमेश टिलाला को राजकोट दक्षिण सीट से चुनाव मैदान में उतारा हैं

गुजरात कांग्रेस को एक और झटका, सीटिंग और पूर्व विधायक ने पार्टी से दिया इस्तीफा

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात चुनाव के लिए कांग्रेस अब तक 105 उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी हैं शेष 77 उम्मीदवारों को लेकर कांग्रेस माथापच्ची कर रही हैं दूसरी ओर कई सीटों पर प्रबल दावेदार या अपने पसंदीदा नेता को टिकट मिलने से विरोध किया जा रहा हैं इस बीच आज कांग्रेस के एक और मौजूदा विधायक ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया हैं सीटिंग विधायक के समर्थन में एक पूर्व विधायक ने कांग्रेस से इस्तीफा देकर संन्यास का ऐलान कर दिया हैं कांग्रेस से इस्तीफा देनेवाले मोहन वाला गिर सोमनाथ जिले की कोडीनार विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के विधायक हैं कोडीनार कांग्रेस का गढ़ माना जाता है और मोहन वाला ने यहां पार्टी का झंडा बुलंद रखा हुआ था लेकिन अबकी बार कांग्रेस ने मोहन वाला का टिकट काटकर महेश मकवाणा को उम्मीदवार घोषित किया हैं मोहन वाला का टिकट कटने से कोडीनार कांग्रेस में आक्रोश भड़क उठा हैं नतीजतन मौजूदा विधायक मोहन वाला और पूर्व विधायक, पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष तथा सौराष्ट्र कारडिया राजपूत के नेता धीरसिंह बारड ने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया हैं धीरसिंह बारड पिछले दो दशकों से कोडीनार में सक्रिय नेता हैं, लेकिन कांग्रेस ने उनकी अवगणना की इस कारण धीरसिंह बारड ने संन्यास लेने का फैसला किया हैं कोडीनार सीट पर नया चेहरा महेश मकवाणा को टिकट देने से नेता और कार्यकर्ताओं में नाराजगी बढ़ती जा रही है, जो कांग्रेस के लिए मुश्किलें पैदा कर सकती हैं बता दें कि एक सप्ताह के भीतर मोहन वाला चौथे विधायक हैं जिन्होंने कांग्रेस से इस्तीफा दिया हैं इससे पहले गिर सोमनाथ जिले की तालाला सीट से सीटिंग विधायक भगवान बारड, छोटाउदेपुर के विधायक मोहन राठवा और दाहोद जिले की झालोद से मौजूदा विधायक कांग्रेस से इस्तीफा देकर भाजपा जॉइन कर चुके हैं अब देखना होगा कि कोडीनार से इस्तीफा देनेवाले कांग्रेस विधायक मोहन वाला का रुख क्या होगा? यह आनेवाला वक्त ही बताएगा

मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल 16 नवंबर को भरेंगे नामांकन, केन्द्रीय मंत्री अमित शाह रहेंगे मौजूद

अहमदाबाद (ईएमएस) भाजपा ने आगामी विधानसभा चुनाव के लिए 166 उम्मीदवारों की घोषणा कर दी हैं गुजरात विधानसभा की 182 में से 166 सीटों पर भाजपा के उम्मीदवार घोषित हो चुके हैं, जबकि 16 उम्मीदवारों का ऐलान बाकी हैं भाजपा ने गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल को अहमदाबाद की घाटलोडिया सीट से टिकट दिया हैं भूपेन्द्र पटेल विधानसभा चुनाव के लिए 16 नवंबर को अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगे संभावना है कि केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह समेत भाजपा के वरिष्ठ नेता मौजूद रह सकते हैं गौरतलब है वर्ष 2008 में सीमांकन के बाद घाटलोडिया विधानसभा सीट अस्तित्व में आई थी वर्ष 2012 में पहली घाटलोडिया विधानसभा सीट पर चुनाव हुआ हैं घाटलोडिया सीट पर अब तक हुए दो चुनावों में भाजपा की जीत हुई हैं इतना ही नहीं घाटलोडिया से विजेता भाजपा विधायक राज्य के मुख्यमंत्री बन चुके हैं वर्ष 2012 में आनंदीबेन पटेल की जीत हुई थी, जबकि 2017 में भूपेन्द्र पटेल ने घाटलोडिया सीट से जीत दर्ज की थी भूपेन्द्र पटेल गुजरात के मौजूदा मुख्यमंत्री हैं और भाजपा चुनाव जीतती है तो भूपेन्द्र पटेल के दोबारा मुख्यमंत्री बनने की प्रबल संभावना हैं गुजरात विधानसभा चुनाव दो चरणों में होगा पहले चरण में 1 दिसंबर को 89 सीटों पर और दूसरे चरण में 5 दिसंबर को 93 सीटों पर मतदान होगा घाटलोडिया सीट पर दूसरे चरण में मतदान होगा और उसके लिए मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल 16 नवंबर अपना नामांकन पत्र भरेंगे पहले चरण के चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की कल यानी 14 नवंबर को अंतिम तारीख हैं जबकि दूसरे चरण के लिए 17 नवंबर तक पर्चा दाखिल किया जा सकेगा गुजरात विधानसभा चुनाव के नतीजे हिमाचल प्रदेश के साथ 8 दिसंबर को आएंगे

अच्छी ऐसी ठंड की शुरूआत हो जाएगी

१५ नवंबर से २० नवंबर के बीच तापमान अचानक कम होगा

अहमदाबाद, १३ नवंबर।

राज्य में डबल सीजन का एहसास हो रहा है और लोग ठंडी कब पड़ेगी इसका इंतजार कर रहे है लेकिन राज्य में पूर्व की हवा चल रही है। जिसकी वजह से न्यूनतम तापमान नीचे और अधिकतम तापमान ज्यादा रहेगा। सुबह में गुलाबी ठंड का अनुभव होता है और दोपहर में गर्मी का अनुभव होता है। मौसम विभाग द्वारा पूर्वानुमान जताया है कि अगले पांच दिन है मौसम सूखा रहेगा अधिकतम तापमान और न्यूनतम तापमान भी जारी रहेगा। मौसम विशेषज्ञ ने बताया है कि, नवंबर महीने में वेस्टर्न डिस्टर्बन्स की शुरूआत होती है। यह शुरूआत हो गई है। १५ नवंबर से २० नवंबर के बीच तामपान अचानक कम होगा और अच्छी ऐसी ठंड की शुरूआत हो जाएगी। ३० नवंबर तक ठंड बनी रहेगी। अभी गुलाबी ठंड की शुरूआत हो गई है जो सुबह और शाम को अनुभव होता है। दोपहर का तापमान ३२ से ३६ डिग्री के बीच होती है। रात का तापमान १५ से १८ डिग्री रहती है। हालांकि, दिसंबर के पहले सप्ताह में कड़ाके की ठंड का अनुभव होगा। दिसंबर से लेकर १० जनवरी तक कड़ाके की ठंड पड़ेगी। सर्दी की शुरूआत हो गई है। लेकिन राज्य में चुनाव की वजह से माहौल गर्म है। गुजरात में दो चरण में मतदान होना है। १ और ५ दिसंबर को राज्य में मतदान होना है। तब मौसम विशेषज्ञ परेश गोस्वामी का अनुमान है कि, दिसंबर महीने से कड़ाके की ठंड की शुरूआत हो जाएगी। १ और ५ दिसंबर को कड़ाके की ठंड रहेगी। शनिवार को अहमदाबाद का न्यूनतम तापमान १७.६ डिग्री, अमरेली का न्यूनतम तापमान १७.४ डिग्री, वडोदरा का न्यूनतम तापमान १७.२ डिग्री, भावनगर का न्यूनतम तापमान १९.२ डिग्री, भुज का न्यूनतम तापमान १९.२ डिग्री, द्वारिका का न्यूनतम तापमान, गांधीनगर का न्यूनतम तापमान १४.८ डिग्री, पाटण का न्यूनतम तापमान १७.४ डिग्री, राजकोट का न्यूनतम तापमान १९.५ डिग्री तापमान दर्ज किया गया है।

सुरेन्द्रनगर के लखतर के पास दुर्घटना की एक घटना सामने आई है

हाइवे पर नीलगाय के साथ टकराने पर दो पुलिसकर्मी की मौत

सुरेन्द्रनगर, १३ नवंबर।

सुरेन्द्रनगर के लखतर के पास दुर्घटना की एक घटना सामने आई है। हाइवे पर बाइक पर सवार दो पुलिसकर्मी जा रहे थे। इस समय में अचानक नीलगाय के बीच में आ गई थी और बाइक के साथ जोरदार टकरा गई थी। जिसके बाद बाइक पलट गई और दूर फेंका गया था। इस दुर्घटना में एक पुलिसकर्मी की घटनास्थल पर ही मौत हुई थी। जबकि अन्य पुलिसकर्मी की उपचार के दौरान मौत हुई थी। इसके अलावा नडियाद से भी दुर्घटना की एक घटना सामने आयी है। हिट एंड रन की घटना में दो महिलाओं की निर्मम मौत हुई थी और चार लोग घायल हुए थे। प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार, सुरेन्द्रनगर के लखतर गाम के दुर्घटना हुई थी। दो पुलिसकर्मी बाइक पर बैठकर जा रहे थे। उस समय में हाइवे पर अचानक नीलगाय के बीच में आ गई थी और बाइक से टकरा गई थी। जिसकी वजह से बाइक पलट गया और दूर तक चला गया। दोनों पुलिसकर्मी बाइक पर से नीचे गिरने पर उनको गंभीर चोटें आयी थी। दोनों पुलिस कर्मचारी बाइक पर से नीचे गिरने पर उनको गंभीर चोटें आई थी। इस दुर्घटना में एक पुलिसकर्मी का घटनास्थल पर ही निर्मम मौत हुई थी। घटना की जानकारी मिलने पर आसपास के लोग मदद के लिए पहुंच गये थे। बाद में मामले की जानकारी १०८ एंबुलेंस और पुलिस विभाग को दी गई थी। घायल पुलिसकर्मी को तुरंत उपचार के लिए अस्पताल में भेजा गया था। उपचार के दौरान यह पुलिसकर्मी की भी मौत हुई थी। इस दुर्घटना में बाइक पर जा रहे दोनों पुलिसकर्मी की निर्मम मौत हुई थी। पुलिस कर्मचारियों की मौत के बाद उनके परिवार में भी भारी शोक का माहौल देखने को मिला। घटना की जानकारी मिलने पर उच्च अधिकारी सहित का काफिला अस्पताल में पहुंच गये। तब दुर्घटना के इस केस में पुलिस ने आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

निवा बूपा हेल्थ इंश्योरेंस ने क्षेत्रीय विस्तार के क्रम में गोधरा में दी दस्तक

वडोदरा (गोधरा), 10 नवंबर, 2022: भारत की अग्रणी स्टैंडअलोन स्वास्थ्य बीमा कंपनियों में से एक, निवा बूपा ने आज भारत के भीतरी इलाकों में अपने विकास के अगले चरण के तहत गोधरा में अपने प्रवेश की घोषणा की। निवा बूपा का लक्ष्य अगले 5 वर्षों में गोधरा के लगभग 5,000 लोगों को स्वास्थ्य कवरेज प्रदान करना है। ग्राहक इस क्षेत्र में मौजूद 4 नेटवर्क अस्पतालों में कैशलेस अस्पताल भर्ती का लाभ उठा सकते हैं और साथ ही, उनके लिए देश भर के 9,100+ अस्पतालों में चिकित्सा सुविधा भी उपलब्ध होगी।

भारत में गंभीर बीमारियों और जीवनशैली से जुड़े रोगों में वृद्धि के साथ, स्वास्थ्य बीमा एक प्राथमिकता बन चुकी है और इसकी पैठ पिछले कुछ वर्षों में काफी बढ़ी है। इसके अलावा, चिकित्सा मुद्रास्फीति के कारण लोगों को धीरे - धीरे स्वास्थ्य और धन दोनों की सुरक्षा में स्वास्थ्य बीमा के महत्व का एहसास हुआ है। इसलिए कुछ स्थितियों में उच्च प्रीमियम और अधिक प्रतीक्षा अवधि से बचने के लिए जीवन में जल्द-से-जल्द व्यापक स्वास्थ्य बीमा योजना में निवेश करना चाहिए।

जामनगर उत्तर सीट पर रोचक मुकाबला, भाभी के खिलाफ ननद करेगी प्रचार

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात विधानसभा के चुनाव में कई सीटों पर दिलचस्प मुकाबला होना हैं जिसमें वराछा, गोंडल, कतारगाम और जामनगर उत्तर सीट शामिल हैं जामनगर उत्तर सीट पर भाजपा ने टीम इंडिया के खिलाडी क्रिकेट रविन्द्र जाडेजा की पत्नी रीवा बा को मैदान में उतारा हैं रविन्द्र जाडेजा की बहन नयना बा जाडेजा गुजरात प्रदेश महिला कांग्रेस मोर्चा की मंत्री हैं स्वाभाविक है कि वह कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में और अपनी भाभी रीवा बा के खिलाफ चुनाव प्रचार करेंगी रविन्द्र जाडेजा की बहन नयना बा ने जामनगर उत्तर सीट से टिकट के लिए दावेदारी की थी लेकिन कांग्रेस ने नयना बा के बजाए बिपेन्द्रसिंह जाडेजा को चुनाव मैदान में उतारा हैं जिससे अब नयना बा को कांग्रेस उम्मीदवार बिपेन्द्रसिंह जाडेजा के समर्थन और अपनी भाभी रीवा बा के खिलाफ प्रचार करना पड़ेगा नयना बा इस उम्मीद में पिछले तीन महीनों से जामनगर उत्तर सीट पर प्रचार कर रही थी कि कांग्रेस ने उन्हें टिकट देगी लेकिन कांग्रेस ने बिपेन्द्रसिंह जाडेजा को टिकट दे दिया अब नयना बा को बिपेन्द्रसिंह के समर्थन में चुनाव प्रचार करना होगा दूसरी ओर रीवा बा जामनगर उत्तर सीट पर लगातार प्रचार कर रही हैं रीवा बा के समर्थन में क्रिकेट रविन्द्र जाडेजा भी प्रचार करने में कोई कसर नहीं छोड़ने वाले इस तरह जामनगर उत्तर सीट पर मुकाबला दिलचस्प हो गया हैं

आप के सीएम फेस इसुदान गढवी जामखंभालिया से लड़ेंगे चुनाव, केजरीवाल ने किया ऐलान

सोमवार को इसुदान गढवी नामांकन फॉर्म भरेंगे तब पंजाब के सीएम नामांकन फॉर्म भरते समय मौजूद रहेंगे

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात चुनाव में आप के मुख्यमंत्री का चेहरा और राष्ट्रीय महासचिव इसुदान गढ़वी देवभूमि द्वारका जिले की जामखंभालिया विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे आप के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी हैं बता दें कि गत 4 नवंबर अरविंद केजरीवाल ने अहमदाबाद में पत्रकार परिषद में इसुदान गढवी को गुजरात में आप का मुख्यमंत्री चेहरा घोषित किया था तब केजरीवाल ने दावा किया कि वह केवल सीएम चेहरे का नहीं बल्कि गुजरात के अगले मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा कर रहे हैं केजरीवाल आज ट्वीट किया जिसमें उन्होंने लिखा 'किसान, बेरोजगार युवाओं, महिलाओं, व्यापारियों के लिए सालों तक आवाज उठाने वाले ईशुदान गढवी जामखंभालिया से चुनाव लड़ेंगे भगवान कृष्ण की पावन भूमि से गुजरात को एक नया और अच्छा मुख्यमंत्री मिलेगा गुजरात विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए नामांकन दाखिल करने का सोमवार को अंतिम दिन हैं इससे पहले सूरत में आप को बड़ा झटका लगा हैं पाटीदार आरक्षण आंदोलन समिति (पास) के कई नेता आज भाजपा में शामिल हो गए अल्पेश कथीरिया के करीबी विजय मांगुकिया समेत कई कार्यकर्ताओं ने सीआर पाटील की मौजूदगी में भगवा धारण कर लिया विजय मांगुकिया के अलावा भावनगर पास कन्वीनर नितिन घेलाणी समेत कई कार्यकर्ताओं ने भाजपा जॉइन कर ली बता दें कि आप ने अल्पेश कथीरिया को सूरत के वराछा सीट से उम्मीदवार बनाया हैं ऐसे में पास कन्वीनरों के भाजपा में शामिल होने से आप को बड़ा झटका लगा हैं

चुनाव प्रचार में स्टार प्रचारकों की हवाई यात्रा में करोड़ों रुपए का खर्च

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए सियासी पार्टियों ने चार्टर्ड प्लेन बुक कराए हैं। इसमें 100 करोड रुपए से ज्यादा का खर्च राजनीतिक दल कर रहे हैं। इसमें सबसे ज्यादा खर्चा भारतीय जनता पार्टी कर रही है। भाजपा ने 3 चार्टर्ड प्लेन और 4 हेलीकॉप्टर बुक किए हैं। पिछले चुनाव में दो चार्टर्ड प्लेन और तीन हेलीकॉप्टर बुक किए थे। दिल्ली से अहमदाबाद के बीच यह चार्टर्ड हेलीकॉप्टर और विमान हर घंटे उड़ान भर रहे हैं। हर घंटे 3 से 4 लाख रुपए प्रति घंटे के हिसाब से इनका औसतन भुगतान किया जा रहा है।

कांग्रेस पार्टी ने एक चार्टर प्लेन और एक हेलीकॉप्टर बुक किया है। वहीं आम आदमी पार्टी के नेता भी दिल्ली से चार्टर्ड विमान लेकर अहमदाबाद पहुंचते हैं। इसके अलावा नियमित प्लेन से भी बड़ी संख्या में स्टार प्रचारक अहमदाबाद, राजकोट, सूरत बड़ौदा पहुंच रहे हैं। प्रचारकों की हवाई यात्रा में राजनीतिक दल करोड़ों रुपए का खर्च प्रतिदिन कर रहे हैं। अभी तक अरबों रुपया विमान यात्रा पर खर्च किया जा चुका है।

चार्टर्ड प्लेन और हेलीकॉप्टर उपलब्ध कराने वाली कंपनियों की इन दिनों पो-वारह हैं। उनके पास मांग के अनुरूप विमान और हेलीकॉप्टर कम पड़ रहे हैं। वह राजनीतिक दलों से मनमाना किराया वसूल कर रहे हैं। इसके अलावा दिल्ली एवं अहमदाबाद एयरपोर्ट को भी काफी कमाई हो रही है।

पाल आंबलिया को टिकट ना मिलने से कांग्रेस का किसान सेल नाराज

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात चुनाव को लेकर सियासी दलों ने भले ही प्रचार तेज कर दिया हो, लेकिन कई सीटों पर आंतरिक कलह का सामना करना पड़ रहा हैं खासकर भाजपा और कांग्रेस ऐसी स्थिति ज्यादा जूझ रही हैं कांग्रेस ने पाल आंबलिया को टिकट नहीं दी हैं पाल आंबलिया ने द्वारका सीट से दावेदारी की थी, लेकिन कांग्रेस ने मूलु कंडोरिया को चुनाव मैदान में उतार दिया हैं पाल आंबलिया को टिकट नहीं मिलने से नाराज कांग्रेस के किसान सेल ने सोशल मीडिया पर अपना आक्रोश व्यक्त किया हैं किसान सेल ने पाल आंबलिया को टिकट देने की कांग्रेस से मांग की हैं केवल द्वारका ही नहीं कई अन्य विधानसभा सीटों पर कांग्रेस को विरोध का सामना करना पड़ रहा हैं अहमदाबाद में एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने युवा चेहरे को टिकट देने की मांग के साथ प्रदर्शन किया हैं उत्तर गुजरात के बायड से विधायक जशु पटेल को रिपीट करने की अशोक गहलोत से मांग की गई हैं वहीं सुरेन्द्रनगर जिले की वढवाण सीट पर कांग्रेस के आयाती उम्मीदवार का कड़ा विरोध किया जा रहा हैं रुपए लेकटर टिकट दिए जाने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सामूहिक इस्तीफा देने की चेतावनी दी हैं उत्तर गुजरात के मेहसाणा जिले की 5 सीटों पर उम्मीदवारों को लेकर कांग्रेस का पेंच फंसा हैं दक्षिण गुजरात के वलसाड जिले की धरमपुर सीट पर किशन पटेल और कल्पेश पटेल की दावेदारी ने भी कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ा दी हैं टिकट आवंटन को लेकर कांग्रेस में चल रहे विवाद पार्टी हाईकमांड तक पहुंच गया है और उसने डेमेज कंट्रोल के लिए एक टीम गुजरात भेजी हैं दूसरी ओर गुजरात में मौजूद राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत लगातार नाराज नेता और कार्यकर्ताओं को मनाने का प्रयास कर रहे हैं

टिकट ना मिलने से नाराज वाघोडिया के विधायक मधु श्रीवास्तव ने भाजपा से दिया इस्तीफा

वडोदरा (ईएमएस) वाघोडिया से भाजपा विधायक मधु श्रीवास्तव ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया हैं वडोदरा की वाघोडिया सीट से लगातार 6 बार जीत चुक मधु श्रीवास्तव को अबकी बार भाजपा ने टिकट नहीं दिया था इससे नाराज होकर श्रीवास्तव ने भाजपा से इस्तीफा दिया हैं साथ ही उन्होंने कहा कि वह निर्दलीय उम्मीदवार चुनाव लड़ेंगे या नहीं इसका फैसला उनकी समिति करेगी फिलहाल समिति ने फैसला किया है कि मैं विधायक पद समेत अपने समर्थकों के साथ भाजपा से इस्तीफा दे दूं वाघोडिया से मेरा काटने से कार्यकर्ता में भाजपा के खिलाफ नाराजगी हैं कार्यकर्ताओं ने मुझे भाजपा इस्तीफा देने के लिए कहा था भाजपा ने मुझे इतने सालों तक अवसर दिया उसके लिए धन्यवाद भाजपा को राम राम श्रीवास्तव ने कहा कि अब हम गांव गांव घूमकर लोगों से राय लेंगे और उसके बाद मुझे निर्दलीय चुनाव लड़ना चाहिए या नहीं इस पर फैसला हमारी समिति करेगी बता दें कि बीते दिन गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी बागी नेताओं को मनाने वडोदरा गए थे लेकिन एक भी बागी नेता हर्ष संघवी से मिलने नहीं पहुंचा जिसके बाद से माना जा रहा था कि मधु श्रीवास्तव कोई नया ऐलान कर सकते हैं हांलाकि टिकट कटने से नाराज मधु श्रीवास्तव ने कहा था कि वह बतौर निर्दलीय उम्मीदवार चुनाव लड़ेंगे, परंतु किसी अन्य राजनीतिक दल जॉइन नहीं करूंगा मैं भाजपा का हूं और भाजपा में ही रहूंगा चुनाव लड़ने के बाद भी भाजपा का ही समर्थन करूंगा दो दिन में कार्यकर्ताओं के साथ विचार विमर्श कर आगे का फैसला करूंगा अगर समर्थक किसी कार्यकर्ता को चुनाव मैदान में उतारने कहते हैं तो उसे चुनाव लड़ाऊंगा अगर मुझसे चुनाव लड़ने का कहेंगे तो मैं उम्मीदवारी दर्ज कराऊंगा

गुजरात भाजपा में बगावत, 5 नेताओं ने दी निर्दलीय चुनाव में उतरने की धमकी

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात विधानसभा चुनाव में भाजपा द्वारा टिकगट नहीं दिए जाने से खफा पार्टी के एक मौजूदा विधायक और 4 पूर्व विधायकों ने निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ने की घोषणा की है। गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए एक और पांच दिसंबर को दो चरणों में मतदान किया जाएगा। भाजपा ने अब तक कुल 182 विधानसभा क्षेत्रों में से 166 क्षेत्रों के लिए उम्मीदवारों के नाम घोषित किए जा चुके हैं। पार्टी के असंतुष्ट नेताओं ने कहा वे समर्थकों से परामर्श करने के बाद अगला कदम उठाएंगे।

भाजपा के पूर्व विधायक हर्षद वसावा ने नंदोड (अनुसूचित जनजाति आरक्षित) सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन पत्र दाखिल कर दिया। उल्लेखनीय है कि हर्षद वसावा भाजपा की गुजरात इकाई के अनुसूचित जनजाति मोर्चा के अध्यक्ष हैं और उन्होंने 2002 से 2007 और 2007 से 2012 तक पूर्ववर्ती राजपीपला सीट का प्रतिनिधित्व किया। नर्मदा जिले की नंदोड सीट पर वर्तमान में कांग्रेस का कब्जा है। भाजपा ने इस सीट से अश्विन पटेल इस सीट से भाजपा ने डॉ दर्शन देशमुख को उतारा है। इस घोषणा से नाखुश हर्षद वसावा ने भाजपा में अपने पद से इस्तीफा दे दिया और शुक्रवार को नंदोड सीट के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया।

वसावा ने नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद कहा कि यहां असली भाजपा और नकली भाजपा है। हम उन लोगों को बेनकाब करेंगे, जिन्होंने प्रतिबद्ध कार्यकर्ताओं को दरकिनार कर दिया है और नए लोगों को महत्वपूर्ण पद दे दिए। मैंने अपना इस्तीफा पार्टी को भेज दिया है। इस क्षेत्र के लोग जानते हैं कि मैंने 2002 से 2012 के बीच विधायक के रूप में कितना काम किया है।

पड़ोसी वडोदरा जिले में एक मौजूदा और दो पूर्व भाजपा विधायक टिकट न दिए जाने के कारण पार्टी से नाराज हैं। वाघोडिया से छह बार के विधायक मधु श्रीवास्तव ने टिकट नहीं दिए जाने के बाद कहा कि अगर उनके समर्थक चाहते हैं तो वह निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ेंगे। भाजपा ने इस सीट से अश्विन पटेल को उतारा है।

वडोदरा जिले की पादरा सीट से भाजपा के एक अन्य पूर्व विधायक दिनेश पटेल उर्फ दीनू मामा ने भी कहा है कि वह निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ेंगे। भाजपा ने इस सीट से चैतन्यसिंह जाला को टिकट दिया है। इस सीट पर कांग्रेस का कब्जा है। करजन में भाजपा के पूर्व विधायक सतीश पटेल मौजूदा विधायक अक्षय पटेल को टिकट देने के निर्णय से नाखुश हैं। इस बीच, जूनागढ़ की केशोद सीट से भाजपा के पूर्व विधायक अरविंद लडानी ने शनिवार को घोषणा की कि पार्टी द्वारा मौजूदा विधायक देवभाई मालम को टिकट दिए जाने के कारण वह निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ेंगे। स्थिति को संभालने के लिए भाजपा की राज्य इकाई के महासचिव भार्गव भट्ट और गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने शनिवार को वडोदरा का दौरा किया और स्थानीय पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। भट्ट ने विश्वास जताया कि भाजपा वडोदरा की सभी सीट पर जीत हासिल करेगी।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122, 9327086467 R.N.I. 63177/95